



महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन
+91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

भारत में पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण

● प्रधानमंत्री ने देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

हरियाणा में जींद से सोनीपत तक 89किमी का रूट

जींद से जुड़ेगा भारत के रेलवे इतिहास का नया अध्याय: मोदी



एक है तथा यह 'मेक इन इंडिया' अभियान का सफल उदाहरण है। जींद के एकलव्य स्टेडियम में करीब 14,700 करोड़ रुपये की विभिन्न

विकास परियोजनाओं के शिलान्यास एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 19वीं सदी की पहचान भाप इंजन,

20वीं सदी की पहचान डीजल और बिजली से चलने वाली रेल रही, जबकि 21वीं सदी की पहचान हाइड्रोजन ट्रेन बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दुनिया के केवल तीन-चार देशों के पास हाइड्रोजन ट्रेन चलाने की क्षमता है और भारत अब इस चुनिंदा समूह में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि जींद से चलने वाली 10 कोच की यह ट्रेन 3,200 हॉर्स पावर के प्रोपल्शन सिस्टम से लैस है और दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेनों में शामिल है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर

- प्रधानमंत्री ने कहा कि हाइड्रोजन ट्रेन न केवल पर्यावरण अनुकूल है, बल्कि 'मेक इन इंडिया' की सफलता का भी प्रतीक है।
- 'भविष्य में हाइड्रोजन ट्रेनों से जुड़ा बुनियादी ढांचा विकसित किया जाएगा और नई फैक्ट्रियां स्थापित होंगी'

आधारित यह ट्रेन हाइड्रोजन को बिजली में परिवर्तित कर चलती है तथा इसके संचालन के दौरान केवल जलवाष्प निकलती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन नहीं होता।



एजेंसी नारनौल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वरुंचुअल माध्यम से नारनौल शहर के कोरियावास स्थित महर्षि च्यवन राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं राव तुलाराम अस्पताल का लोकार्पण किया। जींद के एकलव्य स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव बोली- दक्षिण हरियाणा के लाखों मरीजों को मिलेगा लाभ

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि करीब 76 एकड़ में फैले आधुनिक मेडिकल कॉलेज परिसर में प्रथम चरण में 600 बेड की क्षमता के साथ आईपीडी सेवाएं शुरू की जा रही हैं। साथ ही अत्याधुनिक आपातकालीन एवं दूर्यटना चिकित्सा सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज के पूरी तरह संचालित होने के बाद महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, चरखी दादरी तथा आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को गंभीर उपचार के लिए जयपुर, रोहतक या दिल्ली का रुख नहीं करना पड़ेगा। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी तथा क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं अपने जिले में ही मिल सकेंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंडीगढ़ में किया 4,700 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ

● चंडीगढ़ सिर्फ एक शहर ही नहीं है, यह भारत के लिए विकास का एक मॉडल रहा है।

एजेंसी चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और सड़क अवसंरचना समेत 4,700 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ सिर्फ एक शहर ही नहीं है, यह भारत के लिए विकास का एक मॉडल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि चंडीगढ़ व्यवस्थित विकास और बेहतर लाइफस्टाइल के लिए जाना जाता है। चंडीगढ़ की पहचान चिकित्सा की बेहतर सुविधाओं के लिए है और इन सबके साथ-साथ चंडीगढ़ की पहचान मां चंडी का आशीर्वाद भी है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ का विकास हमेशा से ही एनडीए सरकार की विशेषता रहा है। उन्होंने कहा



कि डेढ़ साल पहले देश ने न्याय व्यवस्था में बहुत बड़ा सुधार किया। हम दंड संहिता की जगह भारतीय न्याय संहिता लाए, यानी दंड आधारित कानूनों की जगह न्याय आधारित कानून व्यवस्था। तब भारतीय न्याय संहिता लागू करने की शुरुआत चंडीगढ़ से ही हुई थी। पीएम मोदी ने कहा कि बीते वर्षों में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट, स्मार्ट

पार्किंग और डिजिटल गवर्नेंस जैसे कितने ही प्रोजेक्ट्स पर चंडीगढ़ को हाईटेक बनाने के काम हुआ है। 2.5 हजार करोड़ से ज्यादा रुपये इस मिशन पर खर्च हुए हैं। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि हमारा चंडीगढ़, हरियाणा-पंजाब-हिमाचल के पूरे क्षेत्र को जोड़ता है। चंडीगढ़ के विकास से यहां के लोगों का जीवन तो बदलता ही है, साथ ही हरियाणा, हिमाचल,

पंजाब और जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी इससे बहुत लाभ होता है। चिकित्सा सेवाओं के लिए तो चंडीगढ़ इस पूरे क्षेत्र में एक बड़ा हब है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'जब हम स्वास्थ्य की बात करते हैं, तो हम सब जानते हैं कि इसमें स्वच्छता की कितनी बड़ी भूमिका है। 2014 में जब हमारी सरकार बनी, तब हमने देश के लिए स्वच्छ भारत मिशन लॉन्च किया था। देश में करोड़ों शौचालय बनाए गए, देश को खुले में शौच से मुक्त कराया गया, सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता के लिए अभियान चलाए गए। सफाई हमारी जीवनशैली का हिस्सा बनें, इसके लिए अलग अलग पहल शुरू की गईं। हमारे शहरों की स्वच्छ भारत रैंकिंग इसी प्रयास का हिस्सा है, और चंडीगढ़ इसमें बेहतर प्रदर्शन का प्रयास भी करता रहता है। '

पीएम ने रिटायर्ड आईपीएस की सराहना की



चंडीगढ़ के रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी इंद्रजीत सिंह सिद्ध की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'उनकी पहचान 'ब्रूम वॉरियर' की बनी हुई है। उन्होंने चंडीगढ़ में स्वच्छता को लेकर एक नई अलख जगाई है, लोगों को प्रेरित किया है। इसके लिए हमारी सरकार ने उन्हें इस साल पद्म सम्मान से भी सम्मानित किया है। स्वच्छता, कोई एक दिन का काम नहीं है, स्वच्छता तो जीवन जीने का तरीका है।' उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ एक ऐसा शहर है, जहां शिक्षा, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान और शोध से जुड़े बड़े संस्थान एक साथ मौजूद हैं। बहुत कम शहरों के पास ऐसा सामर्थ्य होता है। आने वाले समय में यही संस्थान नई टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, स्टार्टअप और इनोवेशन के बड़े केंद्र बन सकते हैं।

शामली से योगी का विपक्ष पर तीखा वार, बोले-

‘जिन्ना के उपासक’ विकास और विरासत के विरोधी

एजेंसी शामली । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को शामली में 581 करोड़ रुपये की लागत वाली 89 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए दोनों दलों को 'जिन्ना का उपासक' बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले विकास कार्य ठप थे, बिजली, सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसी कभी आतंक, पलायन और गुंडागर्दी के लिए चर्चा में रहने वाला शामली आज विकास का नया केंद्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-देहरादून,

शामली-अंबाला और प्रस्तावित शामली-गोरखपुर एक्सप्रेसवे के संगम के कारण यह जिला भविष्य में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय



राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का महत्वपूर्ण विकास केंद्र बनेगा। योगी आदित्यनाथ ने कानून-व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने माफिया को जेल या जहन्नुम पहुंचाने का संकल्प लिया था और शामली-

- 'डबल इंजन सरकार ने किसानों, युवाओं और महिलाओं की सुरक्षा तथा विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।'
- 'कांविड़ए भगवान राम के वंशज और भगवान शिव के भवत हैं, इसलिए छोटी-छोटी बातों पर विवाद या हुड़दंग से बचें।'

कैराना आकर उन्हें लगता है कि वह संकल्प सफल हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले व्यापारी, किसान और आम नागरिक भय के माहौल में जीते थे, जबकि आज प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकारों के दौरान विकास की बजाय तृष्टिकरण और अव्यवस्था को बढ़ावा मिला।

संदिग्ध जेईएम माइयूल मामले में पांच और गिरफ्तार

‘दो दिन पहले एटीएस ने इस मामले में कई लोगों से पूछताछ की थी।

एजेंसी अहमदाबाद । गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े एक कथित माइयूल की जांच के सिलसिले में पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों के साथ ही इस महीने की शुरुआत में हुई आठ गिरफ्तारियों के बाद मामले की जांच का दायरा और बढ़ गया है। एटीएस ने बताया कि ये नई गिरफ्तारियां पहले पकड़े गए आरोपियों से पुलिस रिमांड के दौरान हुई पूछताछ और मिले सबूतों के आधार पर की गई हैं। एटीएस के मुताबिक, हाल ही में गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपी पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े थे। एजेंसी का दावा है कि वे पहले

गिरफ्तार किए गए आरोपियों के साथ मिलकर विस्फोटक उपकरणों का परीक्षण करने में शामिल थे। हाल ही में गिरफ्तार किए गए आरोपियों में बिलाल आबिद शेरा,

अधिकारी ने कहा, 'दो दिन पहले एटीएस ने इस मामले में कई लोगों से पूछताछ की थी। गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपी भी उन्हीं में शामिल थे। ये सभी राज्य के अलग-अलग जिलों



मोहम्मद अय्यूब कदीवाल उर्फ मोहम्मद खदियासन, मोहम्मद शफी मुखी उर्फ शफी चापी, मोहम्मद हसन करादिया उर्फ हसन हैदरपुरी और मोहम्मद अय्यूब सुनासरा उर्फ मोहम्मद खली शामिल हैं। एक

के रहने वाले हैं। ' जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, जब्त की गई सामग्री, फॉरेंसिक जांच के नतीजों और आरोपियों पर लगे आरोपों से जुड़ी अधिक जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

कपास खरीद में किसानों से लूट और करोड़ों के घोटालों के बेताज बादशाह सतीश पटेल की काली कुंडली

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन , वडोदरा। वडोदरा जिले के सहकारी और राजनीतिक गलियारों में इस समय भ्रष्टाचार की एक ऐसी लहर उठी है, जिसने गरीब किसानों और पशुपालकों की कमाय तोड़कर रख दी है। कॉटन पूर्व संभाग (છાત્રહાથુ શ્રદ્ધહાથુ શ્રદ્ધહાથુ) के चेयरमैन सतीश पटेल की गतिविधियां और उनके कथित करोड़ों रुपये के घोटालों के कारणों ने अब सोशल मीडिया से लेकर आम जनता के बीच भारी आक्रोश का विषय बने हुए हैं। दिन-रात एक करके पसीना बहाने वाले धरतीपुत्रों की कमाई पर ऐसे नेता किस तरह अपना साम्राज्य खड़ा कर रहे हैं, इसका बड़ा पर्दाफाश हुआ है।

कपास की खरीद में बड़ा खेल: किसान बेहाल, बिचौलिए निहाल!

कॉटन पूर्व संभाग में सतीश पटेल की सत्ता के तहत किसानों के साथ बहुत बड़ी धोखाधड़ी होने के गंभीर आरोप लगे हैं। सूत्रों के अनुसार, जब गरीब किसान अपनी कपास की उपज बेचने के लिए सरकारी खरीद केंद्रों पर आते हैं, तो सतीश पटेल के इशारे पर

उनके माल में जानबूझकर कमियां और नुकसान निकालकर ट्रैक्टरों की वापस भेज दिया जाता है। लाचार किसान भारी किराए और माल खराब होने के डर से अंत में उसी कपास को स्थानीय व्यापारियों (बिचौलियों) को बेहद सस्ते दामों पर बेचने के लिए मजबूर हो जाता है। असली खेल इसके बाद शुरू होता है: सतीश पटेल के करीबी व्यापारी उसी सस्ते कपास को खरीदते हैं और सतीश पटेल के साथ अंदरूनी सेटिंग करके उसी माल को ऊंचे सरकारी दामों पर सरकार में जमा करा देते हैं। इस तरह बिना किसी मेहनत के करोड़ों रुपये का मुनाफा इन भ्रष्टाचारियों की जेब में चला जाता है।



सतीश पटेल

गंधारा शुगर मिल से बड़ौदा डेयरी तक घोटालों की कतार सतीश पटेल का कथित भ्रष्टाचार केवल कपास खरीद तक सीमित नहीं है। गंधारा शुगर मिल के 725 करोड़ डकारने के बाद भी इस नेता की भूख शांत नहीं हुई है। बड़ौदा डेयरी में भी बड़े पैमाने पर घोटाले कर डेयरी को अपनी 'पारिवारिक जागीर' बना लेने के आरोप हैं। भाई-भतीजावाद का बोलबाला: डेयरी के नियमों को

ताक पर रखकर अपने सगे-संबंधियों, परिचितों और करीबियों को प्रभाव के दम पर नौकरियों पर रख लिया गया है, जिसके कारण योग्य और जरूरतमंद युवा रोजगार से वंचित रह गए हैं।

किसान विरोधी फैसले: धरतीपुत्रों के हितों की रक्षा करने के बजाय लगातार ऐसे निर्णय लिए जा रहे हैं जो किसानों के खिलाफ हैं। करोड़ों की फंडिंग, टिकट न मिलने पर पाला बदलना और अतिथि खनन का साम्राज्य सूत्रों से मिली अत्यंत विस्फोटक जानकारी के मुताबिक, पूर्व में वडोदरा जिले के संगठन में आए बड़ौदा डेयरी के मलाईदार पद पर टिके

रहने के लिए भाजपा के एक बड़े नेता को करोड़ों रुपये की अंधी फंडिंग दी गई थी। हालांकि, इतनी बड़ी रकम पानी की तरह बहाने के बाद भी जब भाजपा से विधानसभा का टिकट नहीं मिला, तो सतीश पटेल ने तुरंत पाला बदला और कांग्रेस की शरण में चले गए। आज भी वे पदों के पीछे रहकर भाजपा के खिलाफ प्रचार

करने में जुटे हैं, ऐसी चर्चाएं ज़ोरों पर हैं। इतना ही नहीं, जब वे विधायक पद पर थे, तब अपने क्षेत्र में अवैध रेत और मिट्टी का खनन करवाकर करोड़ों की काली कमाई करने और अरबों रुपये की बेनामी संपत्ति अर्जित करने के भी गंभीर आरोप उन पर लगे रहे हैं।

महानगर मेट्रो का सीधा सवाल: भ्रष्टाचार पर 'जीरो टॉलरेंस' का दावा करने वाली सरकार चुप क्यों?

जो नेता गरीब किसानों के मुंह से निवाला छीन रहा हो, सहकारी संस्थाओं को लूट रहा हो और सत्ता के लिए गिरगिट की तरह रंग बदलता हो, ऐसे भ्रष्टाचार के आका को जिले के प्रमुख पदों या सहकारी पदों पर बनाए रखकर सरकार जनता को क्या संदेश देना चाहती है? क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की बातें सिर्फ कागजों तक ही सीमित हैं? वडोदरा जिले के किसान अब आर-पार के मूड में हैं। यदि ऐसे नेताओं के खिलाफ तुरंत सख्त कानूनी और निष्पक्ष जांच नहीं की गई, तो आगामी समय में जनता अपने वोटों और आक्रोश से इसका करारा जवाब देगी।

संक्षिप्त न्यूज

फर्जी आईडी से VIP दर्शन की कोशिश नाकाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

द्वारका। जगत मंदिर में VIP दर्शन के लिए अशोक स्तंभ वाली कथित फर्जी सरकारी पहचान पत्र का इस्तेमाल करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ लिया। जांच में पहचान पत्र नकली होने की आशंका सामने आने पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है और लोगों से फर्जी दस्तावेजों का उपयोग न करने की अपील की है।

फर्जी सरकारी आईडी से VIP दर्शन की कोशिश, मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

द्वारका के जगत मंदिर में VIP दर्शन के लिए अशोक स्तंभ वाली कथित फर्जी सरकारी पहचान पत्र का इस्तेमाल करने की कोशिश करने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया। जांच में पहचान पत्र सदिग्ध मिलने पर उसे जव्त कर लिया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने खुद को गोली मारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चडोदरा। पत्नी से घरेलू विवाद के बाद एक युवक ने कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या का प्रयास किया। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस हथियार के स्रोत, घटना के कारणों और पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी है।

Uber की इंटरसिटी बाइक सेवा पर ड्राइवरों का विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। Uber की इंटरसिटी बाइक सेवा शुरू होने के बाद शहर के टैक्सी और ऑटो चालक संगठनों ने इसका विरोध जताया है। उनका कहना है कि नई सेवा से उनकी आय और रोजगार प्रभावित हो सकता है। ड्राइवरों ने एकड़ोट हेलिकर कंपनी और प्रशासन से इस मुद्दे पर हस्तक्षेप की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि मांगों नहीं मानी गईं तो आंदोलन तेज किया जा सकता है।

पास यात्रियों से भरी जीप पलटने से एक महिला समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई



महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। दुर्घटना देलवाड़ा, पोशोना में पोशो रोड पर दालिया के पास घंटा के पास शाम करीब 4 बजे यात्रियों से भरी जीप पलटने से एक महिला समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक महिला समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बाकी लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए ले जाया गया। इस मामले में पुलिस ने फरार ड्राइवर के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली है और आगे की जांच कर रही है। पोशोना के तेवड़ा गांव निवासी शारदाबेन सत्रभाई राठोड़ की ओर से पोशोना थाने में दर्ज कराई शिकायत के अनुसार बुधवार शाम करीब 4 बजे शिकायतकर्ता व यात्री जीप नंबर जीजे 15 बीबी 0286 में देलवाड़ा से पोशोना की ओर आ रहे थे। इसी दौरान दालिया गांव के पास खतनाक घंटा के पास जीप चालक ने लापरवाही से जीप चलाई और जीप पलट गई। जिसमें पोशोना के दंजाल निवासी शायरीबेन माधभाई डायी व उदयपुर जिले के कोटड़ा के जीगीबाइल निवासी बीरभाई फकरभाई अंगारी को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अन्य घायलों को पोशोना सीएचएस पहुंचाया गया। हदसे के बाद जीप चालक फरार हो गया। इस मामले में पोशोना पुलिस ने शारदाबेन की शिकायत के आधार पर चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया। घंटी की खतरनाक दलान को हटा दिया गया है। पोशोना के देलवाड़ा रोड पर यह घंटी सालों से खतरनाक बनी हुई है।

महिला दो मासूम बच्चियों के साथ कुएं में कूदी; तीनों की मौत पर पूरे इलाके में मातम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। दाहोद जिले के झालोद तालुका के अनवरपुरा गांव में गुरुवार शाम को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, 23 साल की सुनीताबेन पप्पूभाई कलारा अपनी दो मासूम बच्चियों के साथ कुएं में कूद गईं। इस घटना में सुनीताबेन और उनकी दो बेटियों की दर्दनाक मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, सुनीताबेन के पति लिमडी इलाके में मजदूरी करने गए थे। पता चला है कि यह घटना शाम करीब 6 बजे हुई सूरजों के मुताबिक, ऐसी बात है कि परिवार के पप्पूभाई के भाई के बेटे ने यह घटना देखी। उसके बाद उसने घर जाकर परिवार वालों को बताया और हंगामा हो गया। हालांकि, इस मामले में अभी तक पुलिस की तरफ से कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आया है। मिली जानकारी के मुताबिक, यह

भी पता चला है कि पप्पू भाई अपने माता-पिता और दो भाइयों के साथ जॉइंट फैमिली में रहते थे। मरने वाली लड़कियों में प्राची (उम्र 3 साल) और वंशी (उम्र डेढ़ साल) शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलते ही झालोद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। काफी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड के लोगों ने सुनीताबेन और दोनों लड़कियों की लाशें कुएं से निकालीं। घटना के बाद पूरे अनवरपुरा गांव और झालोद पंथक में शोक की लहर दौड़ गई है। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की असमय मौत से गांव में मातम छा गया है।

कारण अभी भी पता नहीं

इस दिल दहला देने वाले कदम का कारण अभी तक साफ नहीं हो पाया है। घटना का असली कारण पुलिस जांच के बाद ही सामने

अमेरिकी कोर्ट में अडानी के हलफनामे से हड़कंप: क्या 10 अरब डॉलर की ‘डील’ से केस रफा-दफा करने की थी तैयारी?

महानगर मेट्रो ब्यूर

अहमदाबाद / न्यूयॉर्क। दिग्गज उद्योगपति गौतम अडानी पर अमेरिका में चल रहे रिश्ताखोरी के हाई-प्रोफाइल मामले में एक ऐसा मोड़ आया है जिसने वैश्विक कॉर्पोरेट जगत और अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भूचाल ला दिया है। अमेरिकी अदालत में दाखिल अपने ही आधिकारिक हलफनामे में गौतम अडानी ने पहली बार यह कबूल किया है कि उनके वकीलों ने अमेरिकी न्याय विभाग के साथ चल रही समझौता वार्ता के दौरान अमेरिका में 10 अरब डॉलर (करीब 83,000 करोड़ रुपये) के भारी-भरकम निवेश का प्रस्ताव रखा था। इस खुलासे के बाद अब यह बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ है कि - क्या यह सीधे तौर पर मामले को दबाने की कोशिश थी? 'इन समझौता वार्ताओं के दौरान मुझे जानकारी मिली कि मेरे वकीलों ने



यह सुझाव दिया था कि अमेरिका में 10 अरब डॉलर निवेश करने की मेरी सार्वजनिक रूप से घोषित मंशा को इन मामलों के समाधान का हिस्सा बनाया जा सकता है, यदि DoJ या SEC (सिक्क्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमिशन) ऐसा चाहते हों। हालांकि, अमेरिकी न्याय विभाग ने अडानी के वकीलों को दो टुक शब्दों में स्पष्ट कर दिया था कि वह आपराधिक मामले को खारिज करने का फैसला लेते समय इस संभावित निवेश पर

कोई विचार नहीं करेगा और इस डील के प्रस्ताव को औपचारिक रूप से खारिज कर दिया गया। इस पूरे मामले में सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा निवेश के प्रस्ताव को खारिज किए जाने के बावजूद, बाद में कुछ अलग तकनीकी आधारों का हवाला देते हुए अडानी के खिलाफ मामला वापस लेने पर सहमति दे दी गई। ट्रंप प्रशासन के तहत अडानी के खिलाफ रिश्ताखोरी का मामला इस तरह अचानक खारिज होना अब अमेरिकी राजनीति में एक सुलगाता हुआ मुद्दा बन गया है। वहां का विपक्ष इसे राजनीतिक साठागांठ बता रहा है और आगामी चुनावों में ट्रंप सरकार के लिए यह मामला गले की हड्डी बन सकता है। FBI की रेड पड़ी, फिर भी हलफनामे में अनजान बनने का ढोंग? क्या

अडानी झूठ बोल रहे हैं? इस पूरे मामले में सबसे बड़ा पर्दाफाश यह हुआ है कि गौतम अडानी ने अपने हलफनामे में यह कहीं नहीं बताया कि अभियोग सार्वजनिक होने से पहले उन्हें इस जांच की भावक थी या नहीं। लेकिन, अमेरिकी न्याय विभाग के आधिकारिक दस्तावेज और चार्जशीट कुछ और ही गवाही दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 17 मार्च 2023 को ही फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के एजेंट सर्व वॉट लेकर गौतम अडानी के भतीजे और मामले के सह-आरोपी सागर अडानी के घर पहुंचे थे। एजेंटों ने सागर अडानी के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और मोबाइल जब्त किए थे और उन्हें एक आधिकारिक वॉट सौंपा था। इस वॉट में अमेरिकी सरकार की जांच के दायरे में आने वाले कथित अपराधों, व्यक्तियों और संस्थाओं का पूरा ब्योरा दर्ज था। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है।

NEET पेपर लीक मामले पर ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ के मिले-जुले मूड में, देवें कैसे हिली दिल्ली की गद्दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। देश की राजधानी दिल्ली का जंतर-मंतर इस समय गुस्से की आग में जल रहा है। जहां NEET पेपर लीक कांड ने देश के लाखों स्टूडेंट्स का भविष्य अंधेरे में डाल दिया है, वहीं ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ द्वारा एजुकेशन मिनिस्टर धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर चलाया जा रहा आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस लड़ाई को और तेज करने के लिए जाने-माने एनवायरनमेंटल और एजुकेशन एक्टिविस्ट सोनम वांग्चुक भी मैदान में उतर आए हैं। आज उनकी भूख हड़ताल का 20वां दिन है और बिगड़ती सेहत के बावजूद उनका जोश दिल्ली अधिकारियों के होश उड़ा रहा है। अनशन के 20वें दिन, बहुत कमजोर शारीरिक हालत होने के बावजूद, सोनम वांग्चुक ने इकट्ठा हुई जनता को संबोधित किया। उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यह लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक एजुकेशन सिस्टम में ट्रांसपेरेंसी नहीं

आती और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती। कॉकरोच जनता पार्टी की अगुवाई में हो रहे इस विरोध प्रदर्शन के चलते, देश भर के युवा और छात्र संगठन जंतर-मंतर पर जमा हुए हैं। वांग्चुक और कॉकरोच जनता पार्टी के इस सत्याग्रह को सोशल मीडिया पर करोड़ों लोगों का सपोर्ट मिल रहा है। इतना ही नहीं, फिल्म इंडस्ट्री (बॉलीवुड) की मशहूर हस्तियों ने भी सोनम वांग्चुक के सपोर्ट में आवाज उठाई है और छात्रों के इंसाफ के लिए सरकार से सवाल पूछे हैं। देश के आम नागरिक भी अब सड़कों पर उतरकर पूछ रहे हैं - 'हमारे बच्चों की मेहतन बर्बाद करने वाले बूटलेगर और पेपर लीक करने वाले माफिया को जेल कब भेजा जाएगा? कॉकरोच जनता पार्टी और प्रदर्शनकारियों ने 20 जुलाई को पॉलियामेंट मार्च का ऐलान किया है और इस लड़ाई को पॉलियामेंट के दरवाजे तक ले जाने की धमकी दी है। वांग्चुक की बिगड़ती सेहत और पूरे देश में फैले शिक्षा मंत्रालय अब भारी दबाव में आ गए हैं।

उपवास कोई फैशन नहीं, सत्ता की गद्दी हिलाने वाला सबसे बड़ा हथियार है!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जब भी देश में कोई लोगों के हक के लिए सड़कों पर उतरता है या उपवास पर बैठता है, तो सोशल मीडिया की ट्रोल आमी इसे 'फैशन' या 'स्टंट' कहकर उनका मजाक उड़ाने के लिए दौड़ पड़ती है। कुछ लोग सोनम वांग्चुक के 20 दिन लंबे उपवास को भी 2014 के बाद नया फैशन बता रहे हैं। लेकिन, सत्ता के नशे में चूर, उपवास जैसे पवित्र हथियार को ड्रामा कहने वाले कट्टरपंथी शायद भूल गए हैं कि यह भारत है। वहीं अहिंसा और आमरण उपवास का इतिहास अंग्रेजों के समय से लेकर आजाद भारत की सभी सरकारों को गौरवान्वित करता रहा है।

इंदिरा गांधी से लेकर मनमोहन सिंह सरकार तक... जब भी लोग जागते हैं, सरकार कांपती है!

1984 (इंदिरा गांधी सरकार): सोनम वांग्चुक के पिता ने खुद उस समय की इंदिरा सरकार के खिलाफ मोर्चा संभाला था ताकि लड़ाख के आदिवासियों को शेड्यूल्ड ट्राइब का दर्जा दिया जा सके और हक लिया जा सके। अन्ना हजारे ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर करणन के खिलाफ और लोकपाल बिल के मुद्दे पर पूरे देश को जागया, जिससे कांग्रेस राज की नींव हिल गई। इसी BJP सरकार के खिलाफ गंगा मैया की पवित्रता और अस्तित्व को बचाने के लिए प्रोफेसर जी. डी. अग्रवाल (स्वामी ज्ञानस्वरूप सानंद) ने लगातार 111 दिनों तक खाना न खाकर अपनी जान दे दी, लेकिन वे झुके नहीं! आमरण अनशन एक ग्लोबल ब्रांड है! जो लोग उपवास



को आम भूख हड़ताल समझने की गलती करते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि यह महात्मा गांधी का दिखाया रास्ता है। यह वही हथियार है जिसने न सिर्फ भारत को आजादी दिलाई, बल्कि पूरी दुनिया में क्रांति की मशाल जलाई है चाहे वो मार्टिन लूथर किंग जूनियर हों, जिन्होंने अमेरिका में काले और गैरे लोगों के बीच भेदभाव के खिलाफ नागरिक अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी, ईरान, तिब्बत और आयरलैंड जैसे देशों का इतिहास गवाह है कि जब कानून अंधा हो जाता है, तो उपवास अधिकारियों की आंखें खोल देता है। सोनम वांग्चुक आज जंतर-मंतर पर भूखे-प्यासे बैठे हैं, अपने निजी फायदे के लिए नहीं, बल्कि लड़ाख के पर्यावरण, वहां की संस्कृति और देश के लाखों छात्रों के भविष्य के लिए। देश के नागरिक के तौर पर उनके सपोर्ट में खड़े होने के बजाय, सत्ता की गुलामी में अंधे होकर आंदोलन का मजाक उड़ाने वालों को यह समझना चाहिए कि डेमोक्रेसी में जनता, जनता होती है। अगर आज आप जनता की शांतिपूर्ण आवाज को दबाने या बदनाम करने की कोशिश करेंगे, तो इतिहास आपको कभी माफ नहीं करेगा!

कुडनकुलम परमाणु संयंत्र की फाइलों की चोरी से लेकर चीनी घुसपैठ तक ज्वलंत प्रश्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पिछले कुछ समय से देश की संप्रभुता और आंतरिक सुरक्षा को लेकर कुछ चिंताजनक खबरें आ रही हैं, जो किसी भी देशभक्त नागरिक को झकझोरने के लिए काफी हैं। लेकिन अफसोस की बात है कि सोशल मीडिया पर चौबीसों घंटे सरकार का गुणगान करने वाले कट्टरपंथियों की फौज के लिए नेता की छवि बचाना देशहित से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा के सबसे संवेदनशील मुद्दों को भी 'फर्जी खबर' कहकर खारिज करने की मानसिकता देश को किस दिशा में ले जा रही है, इस पर गंभीरता से सोचने का समय आ गया है। व्यवसायी अनिल अंबानी के स्व-घोषित दिवालियापन का विवरण उनकी कंपनी के पास देश के सबसे बड़े और सबसे संवेदनशील कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से संबंधित एक महत्वपूर्ण अनुबंध होने का विवरण है। इस खराब प्रबंधन के परिणामस्वरूप, लगभग 19,000 उच्च वर्गीकृत परमाणु संयंत्र फ्राइलैं डेटा चोरी या हैकिंग के संपर्क में आ गई है। रक्षा और परमाणु विशेषज्ञ इस डेटा लीक को भारत की सुरक्षा के लिए बेहद गंभीर खतरा बता रहे हैं।

आंदोलनकारियों को 'एंटी-नेशनल' कहने वालों, जब तुम्हारे हक के लिए आवाज उठाने वाला कोई नहीं बचेगा, तब तुम क्या करोगे?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। लोकतंत्र में आंदोलनों की भूमिका को लेकर सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में बहस तेज हो गई है। लेख में दावा किया गया है कि महंगाई, बेरोजगारी और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर होने वाले आंदोलनों को कुछ लोग 'राष्ट्रविरोधी' बताकर निशाना बनाते हैं, जबकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध और सवाल उठाना नागरिकों का अधिकार है। इसमें यह भी कहा गया है कि विपक्ष और जनआंदोलन लोकतंत्र का हिस्सा हैं तथा असहमति की आवाज को दबाने से लोकतांत्रिक मूल्यों पर असर पड़ सकता है। यह लेख लेखक के विचारों पर आधारित है।

बॉर्डर पर खून बहा रही आर्मी, वेबस, कॉर्पोरेट्स कर रहे पैसे की बारिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/नई दिल्ली। एक तरफ बॉर्डर पर पाकिस्तान से हो रहे आतंकी हमलों और दूसरी तरफ लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर चीन की बढ़ती दादागिरी के बीच, देश की नेशनल सिक्योरिटी को लेकर बेहद चौंकाने वाली और चिंताजनक खबरें सामने आई हैं। मिलिट्री और सरकारी सूत्रों से मिली सनसनीखेज जानकारी के मुताबिक, हाल ही में हुई एक हाई-लेवल मीटिंग से सीनियर आर्मी अफसर वॉकआउट कर गए! यह कोई शिकायत नहीं थी, बल्कि देश की रक्षा के लिए दिन-रात बॉर्डर पर डटे रहने वाले बहादुरों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ गुस्सा था। मीटिंग बीच में छोड़ने के पीछे मुख्य वजह यह सामने आई है कि एक तरफ देश दो तरफ से गंभीर मिलिट्री चुनौतियों का सामना कर रहा है, फिर भी सरकार ने आर्मी का डिफेंस बजट और जरूरी फंड देने से साफ मना कर दिया है! आर्मी के अधिकारी देश की सुरक्षा के लिए मॉडर्न हथियार, सिक्योरिटी इक्विपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए फाइनैशियल मदद मांग रहे थे, लेकिन एडमिनिस्ट्रेशन ने हाथ खड़े कर दिए। डिफेंस एक्सपर्ट्स चेतावनी दे रहे हैं कि अगर आर्मी को काफी फंड नहीं मिला, तो इसका सैनिकों के हौसले पर बहुत बुरा और भयानक असर पड़ सकता है। इस घटना के सामने आने के बाद अब सोशल मीडिया से लेकर आम जनता तक में अधिकारियों के खिलाफ काफी गुस्सा है। लोग पूछ रहे हैं अगर देश के पास अडानी जैसे बड़े इंडस्ट्रियलिस्ट और कॉर्पोरेट्स को हजारों करोड़ का लोन देने के लिए पैसा है, अगर सरकार के पास करोड़ों रुपये खर्च करके अपने प्रोपेगैंडा के बलिफिसिटी के लिए होर्डिंस लगाने और सिर्फ हेडलाइन पाने का तमाशा करने के लिए बजट है तो देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों के लिए पैसे की कमी क्यों है? आज आम नागरिक भी गुस्से से चिल्ला उठा है, क्योंकि प्रोपेगैंडा के पीछे देश में अंधाधुंध लूट चल रही है, लेकिन सरकार के पास देश के युवाओं को सही शिक्षा, बेरोजगारों को रोजगार और गरीबों की सूची हेल्थ सुविधाएं देने के लिए बजट नहीं है! बड़े-बड़े मंचों से भारत को 'विश्व गुरु' बनाने के नारे लगाए जा रहे हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि हमारा अंदरूनी सिस्टम खोखला होता जा रहा है। जो देश मजबूत रखने और अपने नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं देने के लिए फंड नहीं दे सकता, वह दुनिया का लीडर कैसे बन सकता है?

दैनिक राशिफल

18 जुलाई 2026, शनिवार

मेष

कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। निवेश सोच-समझकर करें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ

रुके हुए कार्य पूरे होने के योग है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। यात्रा लाभदायक हो सकती है।

मिथुन

नौकरी और व्यापार में सतर्कता रखें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात संभव है। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कर्क

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने के संकेत हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएं। सेहत का ध्यान रखें।

सिंह

नए कार्य की शुरुआत के लिए दिन शुभ है। वफ़ी अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। धन लाभ के योग बन रहे हैं।

कन्या

मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी न करें।

तुला

दोपह्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार में लाभ मिलने की संभावना है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

कार्यों में थोड़ी बाधाएं आ सकती हैं, लेकिन धैर्य से सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। विवादों से दूर रहें।

धनु

भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। आर्थिक लाभ और सम्मान मिलने के योग है।

मकर

नौकरी में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। बाह्य दमन समय सावधानी रखें।

कुंभ

स्वास्थ्य का ख़ास ध्यान मिलेगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश के लिए दिन अच्छा माना जा सकता है।

मीन

धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मानसिक शांति मिलेगी। व्यापार में लाभ और परिवारिक सुख बना रहेगा। किसी शुभ समाचार की प्रतीति हो सकती है।

हरित ऊर्जा क्रांति का ऐतिहासिक शंखनाद



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

जींद का चयन भी अत्यंत प्रतीकात्मक है।हरियाणा का यह नगर केवल एक रेलवे जंक्शन नहीं,बल्कि इतिहास,आस्था और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत केंद्र है।महाभारतकालीन परम्पराओं से जुड़े इस क्षेत्र का उल्लेख अनेक ऐतिहासिक संदर्भों में मिलता है।जनश्रुतियों के अनुसार इसका संबंध देवी जयन्ती की आराधना से भी माना जाता है।आज यही भूमि भारत की आधुनिक वैज्ञानिक चेतना और हरित प्रौद्योगिकी के नए अध्याय की साक्षी बन रही है।

जींद से दौड़ी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन स्टीम से डीजल, डीजल से विद्युत और अब हाइड्रोजन -भारतीय रेल ने रचा विकास का स्वर्णिम

इतिहास...

भारतीय रेल केवल लोहे की पटरियों पर दौड़ने वाली रेलगाड़ियों का विशाल नेटवर्क नहीं है,बल्कि यह भारत की आर्थिक शक्ति,सामाजिक समरसता,राष्ट्रीय एकता और तकनीकी प्रगति का सबसे सशक्त प्रतीक भी है।लगभग डेढ़ सौ वर्षों से अधिक की अपनी गौरवशाली यात्रा में भारतीय रेल ने अनेक ऐतिहासिक पड़ाव पार किए हैं।स्टीम इंजन से प्रारम्भ हुई यह यात्रा डीजल और फिर विद्युत इंजनों तक पहुँची,और अब भारत हरित ऊर्जा के उस नए स्वर्णिम युग में प्रवेश कर चुका है,जहाँ रेलगाड़ियाँ जीवाश्म ईंधन नहीं,बल्कि स्वच्छ हाइड्रोजन ऊर्जा के सहारे आगे बढ़ेंगी।हरियाणा के ऐतिहासिक नगर जींद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन की हरी झंडी दिखाया जाना केवल एक नई रेल सेवा का शुभारम्भ नहीं,बल्कि विकसित भारत,आत्मनिर्भर भारत और हरित भारत के साझा संकल्प का उद्घोष है।यह क्षण भारतीय रेल के इतिहास में उसी प्रकार स्वर्णाक्षरों में अंकित होगा,जैसे कभी पहली रेलगाड़ी के संचालन, राजधानी एक्सप्रेस,शाब्दी, मेट्रो अथवा वंदे भारत ट्रेनों के शुभारम्भ को याद किया जाता है।

जींद का चयन भी अत्यंत प्रतीकात्मक है।हरियाणा का यह नगर केवल एक रेलवे जंक्शन नहीं,बल्कि इतिहास,आस्था और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत केंद्र है।महाभारतकालीन परम्पराओं से जुड़े इस क्षेत्र का उल्लेख अनेक ऐतिहासिक संदर्भों में मिलता है।जनश्रुतियों के अनुसार इसका संबंध देवी जयन्ती की आराधना से भी माना जाता है।आज यही भूमि भारत की आधुनिक वैज्ञानिक चेतना और हरित प्रौद्योगिकी के नए अध्याय की साक्षी बन रही है। अतीत की सांस्कृतिक विरासत और भविष्य की वैज्ञानिक सोच का यह अद्भुत संगम जींद को राष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान प्रदान करता है।रेलवे की दृष्टि से भी जींद का महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।उत्तर रेलवे का यह प्रमुख जंक्शन वर्षों से हरियाणा,दिल्ली,पंजाब और राजस्थान को जोड़ने वाला रणनीतिक रेल केंद्र है।व्दलते समय के साथ इसका आधुनिकीकरण हुआ और अब यही जंक्शन भारत की हरित रेल क्रांति का प्रारम्भिक केंद्र बन गया है।भारतीय रेल ने पिछले एक दशक में परिवर्तन की ऐसी गति देखी है, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक कठिन थी। वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार, अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन, सर्पारिप्त माल गलियारे (ऑर्गैनीज्ड एक्स्प्रेस) उद्धर्श,द्विज,२),कचरा की स्वेदशी सुरक्षा प्रणाली,अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे



स्टेशनों का पुनर्विकास,लगभग सम्पूर्ण ब्रॉडगेज नेटवर्क का विद्युतीकरण, आधुनिक सिग्नलिंग व्यवस्था तथा डिजिटल यात्री सेवाओं ने रेलवे की कार्यसंस्कृति और छवि दोनों को बदल दिया है।अब हाइड्रोजन ट्रेन इस परिवर्तन यात्रा का अगला और सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव बनकर सामने आई है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक भविष्य के स्वच्छ परिवहन की आधारशिला मानी जा रही है।इस तकनीक में डीजल का उपयोग नहीं होता। ईंधन सेल में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न होती है,जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस पूरी प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य प्रदूषक गैसों का उत्सर्जन नहीं होता; केवल जलवाष्प निकलती है।यही कारण है कि इसे 'जीरो एमिशन ट्रांसपोर्ट' की दिशा में सबसे प्रभावी तकनीकों में शामिल किया जाता है।यूरोप,जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देश पहले से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं।ऐसे समय में भारत का स्वदेशी तकनीक और अपनी इंजीनियरिंग क्षमता के बल पर इस क्षेत्र में प्रवेश करना केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं,बल्कि वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में भारत की सक्रिय भागीदारी का संकेत भी है।भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का निर्माण भारतीय इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और रेलवे तकनीकी विशेषज्ञों की क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है।चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में विकसित इस ट्रेन में अत्याधुनिक हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रणाली स्थापित की गई है। जींद में स्थापित हाइड्रोजन उत्पादन एवं रिफ्यूलिंग अवसंरचना इस बात का प्रमाण है कि भारत केवल नई तकनीकों का उपभोक्ता नहीं,बल्कि उनका विकास, निर्माण और संचालन करने वाला अग्रणी राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जींद में स्थापित हरित हाइड्रोजन संयंत्र इस परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण आधार है।यहाँ स्थापित एक मेगावाट क्षमता का इलेक्ट्रोलाइजर प्रतिदिन लगभग 420 किलोग्राम हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने में सक्षम है। लगभग 3000 किलोग्राम हाइड्रोजन भंडारण की व्यवस्था तथा आधुनिक रिफ्यूलिंग प्रणाली इस परियोजना को पूर्णतः आत्मनिर्भर बनाती है।यही मॉडल भविष्य में देश के अन्य रेल मार्गों पर भी विकसित किया जा सकता है।यह परियोजना केवल रेलवे तक सीमित नहीं है।इसके माध्यम से भारत हरित हाइड्रोजन मिशन को व्यवहारिक रूप देने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है।आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और ऊर्जा सुरक्षा जैसी चुनौतियों से जूझ रही है,तब स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन व्यवस्था भारत को वैश्विक नेतृत्व की नई भूमिका प्रदान कर सकती है।हाइड्रोजन ट्रेनों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इन्हें उन रेलमार्गों पर भी संचालित किया जा सकता है जहाँ विद्युत लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी दृष्टि से कठिन है।इससे दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में भी पर्यावरण अनुकूल रेल सेवाएँ उपलब्ध कराई जा सकेंगी।साथ ही डीजल पर निर्भरता कम होने से विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ऊर्जा आयात पर निर्भरता भी घटेगी।यह उपलब्धि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की सफलता का भी सशक्त उदाहरण है।जिस तकनीक को कभी केवल विकसित देशों की उपलब्धि माना जाता था,आज वही तकनीक भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के हाथों विकसित होकर भारतीय रेल की पटरियों पर दौड़ रही है।इससे यह संदेश भी जाता है कि भारत अब केवल तकनीक खरीदने वाला देश नहीं,

बल्कि नई तकनीकों का निर्माण और निर्यात करने की क्षमता भी विकसित कर रहा है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में रेलवे के आधुनिकीकरण को राष्ट्रीय विकास का महत्वपूर्ण आधार बनाया है। रेलवे के लिए रिकॉर्ड पूंजीगत निवेश,नई उत्पादन इकाइयों का विस्तार, स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा, हरित ऊर्जा का उपयोग तथा यात्री सुविधाओं में व्यापक सुधार उसी दूरदर्शी दृष्टि का परिणाम हैं।हाइड्रोजन ट्रेन इसी परिवर्तनकारी सोच का नवीनतम अध्याय है।इस परियोजना का प्रभाव केवल पर्यावरण या परिवहन तक सीमित नहीं रहेगा।हाइड्रोजन उत्पादन,भंडारण, परिवहन,रखरखाव और अनुसंधान से जुड़े नए उद्योग विकसित होंगे। हजारों कुशल तकनीकी रोजगार सृजित होंगे।विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों में हाइड्रोजन ऊर्जा पर अनुसंधान को नई गति मिलेगी।भारतीय उद्योगों के लिए भी अत्याधुनिक ऊर्जा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे।

हरित ऊर्जा की दिशा में भारत पहले ही सौर, पवन,जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है।रेलवे का इस परिवर्तन का नेतृत्व करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय रेल विश्व के सबसे बड़े सार्वजनिक परिवहन नेटवर्कों में से एक है।यदि इतना विशाल नेटवर्क स्वच्छ ऊर्जा की ओर अग्रसर होता है तो उसका सकारात्मक प्रभाव केवल भारत ही नहीं,बल्कि वैश्विक जलवायु प्रयासों पर भी पड़ेगा।जींद से प्रारम्भ हुई यह यात्रा केवल एक रेलगाड़ी की यात्रा नहीं है।यह उस नए भारत की यात्रा है,जो परम्परा और आधुनिकता,विज्ञान और संस्कृति,विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करते हुए भविष्य की ओर आत्मविश्वास से बढ़ रहा है।स्टीम से डीजल, डीजल से विद्युत और अब हाइड्रोजन तक पहुँची भारतीय रेल की यह विकासगाथा बताती है कि परिवर्तन ही प्रगति का सबसे बड़ा आधार है।निस्संदेह, जींद से दौड़ी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन आने वाले वर्षों में केवल एक तकनीकी उपलब्धि के रूप में नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक क्षण के रूप में याद की जाएगी जब भारतीय रेल ने हरित ऊर्जा क्रांति का शंखनाद किया और विकसित भारत की दिशा में एक नया स्वर्णिम अध्याय लिख दिया।यह केवल रेलवे की सफलता नहीं,बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक आकांक्षाओं,वैज्ञानिक क्षमता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का साकार रूप है। आने वाले समय में जब देश के विभिन्न रेलखंडों पर हाइड्रोजन ट्रेनें नियमित रूप से दौड़ेंगी, तब इतिहास यह अवश्य दर्ज करेगा कि हरित भारत की इस नई यात्रा का प्रथम उद्घोष हरियाणा की पावन धरती जींद से हुआ था।

सोनम वांगचुक को नहीं बना पा रहे हैं अन्ना?

आंदोलन में भीड़ नहीं जुट रही थी, भीड़ जुटाने के लिए अन्ना आंदोलन जैसी पुनरावृत्ति की कोशिश की गई। ऐसा लगा कि वांगचुक के अनशन के बाद युवाओं की भारी भीड़ जंतर-मंतर पर एकजुट होगी। जिस तरह से यह आंदोलन शुरू हुआ, प्रारंभ से ही इसकी विश्वसनीयता को लेकर छात्रों और युवाओं को वह विश्वास नहीं हुआ, जो उन्हें होना चाहिए था। सरकार और पुलिस ने जिस तरह से आंदोलनकारी नेता के साथ सहानुभूति बरती। आंदोलन के नाम पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफा और परीक्षाओं में सुधार को लेकर जो आंदोलन शुरू होना था। उसके स्थान पर आंदोलनकारी सरकार के खिलाफ आंदोलन जंतर-मंतर खड़ा करने के स्थान पर विपक्षी दलों पर निशाना साधने लगे। राहुल गांधी अनशन स्थल पर क्यों नहीं आए, विपक्ष के नेता क्यों नहीं आ रहे हैं? विपक्ष के खिलाफ एक मुहिम चलाई गई, जिसने आंदोलन की कलाई खोल दी हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक दीपके पूर्व में आम आदमी पार्टी से जुड़े रहे हैं। सोनम वांगचुक ने धारा 370 और नई शिक्षा नीति को लेकर सरकार की सराहना की थी। वांगचुक की धमेंद्र प्रधान के साथ फोटो भी है। जिसके कारण यह आंदोलन खड़ा होने के पहले ही एक तरह से बिखरने लगा। जंतर-मंतर में जिस तरह से इस आंदोलन को गति मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिल पाई। आंदोलनकारी दिल्ली पुलिस के पैरों में गिरकर गिड़गिड़ा रहे थे। राहुल गांधी और विपक्ष को जिस तरह से मीडिया द्वारा निशाने पर लिया गया। उससे सारे देश

में एक संदेश गया। राहुल गांधी के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ता थे, पुलिस उन पर सख्ती कर रही थी। जो परीक्षा के पेपर लीक होने और शिक्षा व्यवस्था की कमियों को लेकर आंदोलन और प्रदर्शन कर रहे थे। जिस तरह से देश में राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी सरकार के लिए एक चुनौती बने हुए हैं। राहुल गांधी को निशाने पर रखकर सोनम वांगचुक को, अन्ना आंदोलन की तर्ज पर स्थापित करने की कोशिश की गई, वह कोशिश कामयाब होती हुई नहीं दिख रही है। भ्रष्टाचार आंदोलन को लेकर अन्ना आंदोलन से ठगे गए देश के करोड़ों लोग इस आंदोलन पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। युवाओं के बीच में यह संदेश गया, आंदोलनकारी सरकार से लड़ने की बजाय सरकार से निवेदन कर रहे हैं।

18 दिन हो चुके, अभी तक केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफा की बात को लेकर कोई चर्चा नहीं हो रही है। शिक्षा नीति और पेपर लीक मामले में आंदोलनकारी और सरकार चुपी साधे हुए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी अपना मंच छात्रों नेताओं के साथ साझा नहीं कर रही है। ऐसी स्थिति में आंदोलन खड़ा होने के पहले ही बिखरता हुआ नजर आया है। सोनम वांगचुक के अनशन को खत्म कराने के लिए सारे विपक्षी दल उनसे निवेदन कर रहे हैं। वह अन्ना अनशन त्याग दें। राहुल गांधी और विपक्षी दलों के नेताओं ने भी मांगों को समर्थन देते हुए संसद में लड़ाई लड़ने की बात कही है। कांग्रेस पार्टी और उनके कार्यकर्ता पेपर लीक मामले में जगह-जगह

प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका आंदोलन थमा नहीं है। राहुल गांधी स्वयं छात्रों के पास जाकर उनकी बातों को सुन रहे हैं। छात्रों के साथ कोटा और देहरादून में जो संवाद होगा, उसके आधार पर वह संसद के मानसून सत्र में कांग्रेस सक्रिय रहेगी। पत्रकारों, संपादकों और शिक्षाविदों के बीच वर्तमान आंदोलन पर एक राय जरूर बनती हुई दिख रही है। जिस तरह से भ्रष्टाचार के मामले में अन्ना आंदोलन खड़ा किया गया था। अन्ना आंदोलन से मनमोहन सरकार विदा हो केन्द्र में मोदी और दिल्ली में केजरीवाल की सरकार बन गई थी। पिछले कुछ वर्षों से राहुल गांधी एकमात्र ऐसे नेता हैं, जो वर्तमान मोदी सरकार के विरोध में खड़े हुए हैं। कॉकरोच पार्टी का यह आंदोलन, विपक्ष को समाप्त करने के लिए एक पड़यंत्र के तहत खड़ा किया जा रहा है? आंदोलन से जुड़े हुए जो लोग हैं, उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए विपक्षी दल इस मंच से दूरी बनाए हुए हैं। कहते हैं, दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है। कुछ यही स्थिति इस आंदोलन की होती हुई दिख रही है। कॉकरोच जनता पार्टी और सोनम वांगचुक को जो लड़ाई सरकार के खिलाफ लड़नी थी, वह सरकार से ना लड़कर विपक्ष के साथ लड़ रहे हैं। जिसके कारण यह आंदोलन भटक गया है। जेन-जी के युवा इस आंदोलन की ओर आकर्षित नहीं हो पा रहे हैं। सोनम वांगचुक को आगे रखकर जेन-जी को भटकाने-अटकाने के लिए इस आंदोलन की जो पटकथा लिखी गई थी, वह अब सफल होती हुई नहीं दिख रही है।

मंदिरों में भ्रष्टाचार: वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है।

मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है- वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में ह्रस्वमान मन्दिर दर्शन नीतिह्र लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों की छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में

व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहाँ और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के प्रभाव या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारी और कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान ही पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है। मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुग्रहों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली

पर कठोर दंड का प्रावधान हो। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद दुनिया भर से करोड़ों लोग भारतीय मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। ऐसे समय यदि मंदिरों की व्यवस्थाओं पर भ्रष्टाचार, कुपबंधन और अव्यवस्था के आरोप लगते हैं तो केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की छवि प्रभावित होती है। विश्व यह संदेश ग्रहण करता है कि जिस देश ने धर्म और नैतिकता का संदेश दिया, वह अपने ही धर्मस्थलों को पारदर्शी नहीं बना पाया, वहां भी व्यापक भ्रष्टाचार पसरा है। भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। द्वाराष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोगह्र जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की सम्यक्बद्ध व्यवस्था हों। धार्मिक संघटनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, ईमानदारी, सेवा और उत्तरदायित्व है। यदि मंदिरों के भीतर ही इन मूल्यों का ह्रास होगा तो समाज को नैतिक दिशा की न दिना? मंदिर केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के विद्यालय भी होने चाहिए। आज आवश्यकता किसी छोटे-मोटे सुधार की नहीं, बल्कि मांस्व प्रशासन में एक नैतिक क्रांति की है। यह क्रांति पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए। मंदिरों को तकनीक से जोड़ना होगा, वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और ऑडिट-अध्वारित बनाना होगा, वीआईपी संस्कृति को समाप्त करना होगा तथा हर श्रद्धालु को समान सम्मान देना होगा।

संपादकीय

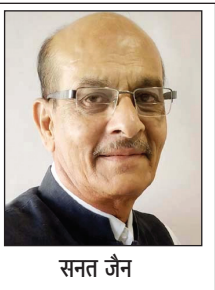
जन्मदर में गिरावट

हाल के वर्षों में भारत की आबादी से जुड़े ट्रेड में बदलाव देखने को मिला है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत की आबादी से जुड़ा परिदृश्य एक नये दौर में पहुंच रहा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को यह सवाल उठाना पड़ा कि क्या आज भी उन कानूनों की प्रासंगिकता बनी हुई है, जिसके अंतर्गत दो से ज्यादा बच्चे होने पर लोगों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराया जाता रहा है। निश्चित रूप से ह्रादो बच्चोंह्र से जुड़ा यह नियम उस समय बनाया गया था जब देश में तेजी से बढ़ती आबादी चिंता का सबब बनी हुई थी। लेकिन आज जनसंख्या का परिदृश्य तेजी से बदल गया है। दूसरे शब्दों में कहें तो निकाय चुनावों से जुड़ा अधिक बच्चों वाला नियम अब आबादी के बदलते ट्रेड से मेल नहीं खाता। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने जिन सवालों को जन्म दिया है, उसकी पुष्टि सरकार की ओर से जारी जनसंख्या संबंधी आंकड़ों से होती है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी ब्रह्मसैपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टैटिस्टिकल रिपोर्ट-2024ह्र शीर्ष अदालत के नजरिये की पुष्टि करती है। रिपोर्ट बताती है कि देश की कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर घटकर 1.9 हो गई है, जो कि 2.1 के ह्ररिलेसमेंट लेवलह्र से कम है। देश में उत्तर भारत के छह राज्य- उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड ही रिलेसमेंट लेवल से ऊपर हैं। जबकि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली- 1.2, केरल,तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (तीनों में 1.3) में प्रजनन दर देश में सबसे कम है। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में प्रजनन दर अब भी अधिक है। जो आबादी की दर में बदलाव की असमान गति को ही दर्शाता है। इस तरह से जनसंख्या वृद्धि की ये असमानताएं- ह्रसबके लिए एक ही जनसंख्या नीतिह्र की खामियों को ही उजागर करती हैं। इस नीति की प्रासंगिकता व इस दिशा में बदलाव की जरूरत सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का सार भी है।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है। दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए हैं। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं। भरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं: हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। गंगा सामने बहती है और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।



सनत जैन

नीट परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद तथा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं को कॉकरोच कह देने के बाद रातों-रात कॉकरोच जनता पार्टी बन गई। करोड़ों लोग उसके सोशल मीडिया प्लेटफार्म से जुड़ गए। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी पेपर लीक मामले और पर्यावरण को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर में कॉकरोच पार्टी के अभिजीत दिपके के साथ अनशन पर बैठ गए। अनशन स्थल पर कॉकरोच पार्टी ने छात्र संघ के नेताओं को अपने मंच पर नहीं बैठने दिया। उन्हें अलग मंच दिया गया। जिस तरह की आक्रामकता के साथ आंदोलन सरकार और व्यवस्था के खिलाफ होता है, वैसा माहौल जंतर-मंतर में देखने को नहीं मिला। ऐसा लगा, यह एक सरकारी प्रायोजित आंदोलन है। जब युवाओं की भीड़ नहीं जुटी। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को आमरण अनशन की घोषणा करनी पड़ी।



ललित गर्ग

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा की जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तो केवल कोई संस्था बदनम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह



दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा हटाए गए, अनुराग कुमार ने संभाला कमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। 1994 बैच के IPS अधिकारी अनुराग कुमार को दिल्ली पुलिस का नया कमिश्नर नियुक्त किया गया है. वह अभी इंटेलिजेंस ब्यूरो में स्पेशल डायरेक्टर के पद पर तैनात थे. उन्होंने सतीश गोलचा की जगह ली है, जिन्हें उनके निर्धारित रिटायरमेंट से पहले पद से हटा दिया गया. केंद्र सरकार ने शुक्रवार को बड़ा फैसला लिया है. दिल्ली पुलिस कमिश्नर के पद से सतीश गोलचा को हटाया गया है. अनुराग कुमार को दिल्ली पुलिस का नया कमिश्नर नियुक्त कर दिया गा है और उन्होंने कमान संभाल ली है. अनुराग कुमार पहले इंटेलिजेंस ब्यूरो यानी आईबी में स्पेशल डायरेक्टर के पद पर तैनात थे. उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली अपॉइंटमेंट्स कमिटी ऑफ कैबिनेट ने गुरुवार को आईबी से हटाकर उनसे मूल कैडर एजीएमयूटी में वापस भेजा था. इसके एक दिन बाद ही उन्हें दिल्ली पुलिस की कमान सौंप दी गई. दू सरकार की तरफ से जारी आधिकारिक आदेश में कहा गया कि सक्षम अधिकारी की मंजूरी के बाद 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी अनुराग कुमार को दिल्ली पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया जाता है. यह नियुक्ति उनके कार्यभार संभालने को तारीख से लागू होगी और अगले आदेश तक जारी रहेगी. अनुराग कुमार 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और उनका करियर दिल्ली पुलिस से ही शुरू हुआ था. वे दिल्ली के कई जिलों में डीसीपी यानी डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस के पद पर काम कर चुके हैं. दिल्ली पुलिस में लंबे अनुभव के बाद वे आईबी में गए और वहां लगातार बने रहे. आईबी में रहते हुए उन्हें स्पेशल डायरेक्टर के पद तक पहुंचने का मौका मिला. अब वापस उन्हें दिल्ली पुलिस की सबसे बड़ी जिम्मेदारी दी गई है. वहीं कमिश्नर सतीश गोलचा 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं. आदेश के मुताबिक, जैसे ही अनुराग कुमार अपना कार्यभार संभालेंगे, सतीश गोलचा को आगे की पोस्टिंग के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल के पास रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है. बताया जा रहा है कि सतीश गोलचा का रिटायरमेंट अप्रैल 2027 में होना था, लेकिन उन्हें समय से पहले ही इस पद से हटा दिया गया है.

तिहाड़ जेल में रिश्ततखोरी का नेटवर्क, 6 हेड वार्डर समेत 11 अरेस्ट; कैदी को देते थे लालच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार की एंटी करप्शन ब्रांच ने जेलों में चल रहे रंगदारी और रिश्ततखोरी के नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें जेल अधिकारी, वार्डर, वकील और निजी व्यक्ति शामिल हैं। ये लोग अंडर ट्रायल कैदियों के परिजनों से सुझा और सुविधा के नाम पर अवैध वसूली करते थे। एसीबी ने छापेमारी कर एक लाख रुपये की रिश्तत बरामद की है। नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली सरकार की एंटी करप्शन ब्रांच ने दिल्ली की जेलों में चल रहे कथित रंगदारी और रिश्ततखोरी के संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि जेल अधिकारियों, जेल वार्डरों, कैदियों, वकीलों और निजी व्यक्तियों का एक संगठित गिरोह अंडर ट्रायल कैदियों के परिजनों से सुझा, बेहतर सुविधाएं और खास व्यवहार दिलाने के नाम पर अवैध वसूली करता था। एसीबी प्रमुख व जॉइंट सीपी विक्रमजीत सिंह ने बताया कि इस मामले की शुरुआत 9 फरवरी को मिली एक शिकायत से हुई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि रोहिणी जेल में बंद उसके पिता और भाई की सुझा और सुविधा के नाम पर उससे लगातार पैसे मांगे जा रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने ट्रैप लगाकर कार्रवाई की और एफआईआर दर्ज की। इस दौरान एक लाख रुपये की रिश्तत बरामद की गई। शुरुआती जांच में पता चला कि रोहिणी जेल के वार्डर दिनेश डबास, पंकज कुमार और रवि कुमार, तिहाड़ जेल के हेड वार्डर जोगेंद्र, फरीदाबाद निवासी वकील मनीष और दिल्ली निवासी आशीष राणा मिलकर वसूली को अंजाम देते हैं। इसके बाद इन्हें गिरफ्तार किया गया। आगे की जांच में बैंक खातों, वित्तीय लेनदेन, मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण से पता चला कि अवैध वसूली की रकम कई बैंक खातों के जरिए भेजी जाती थी और बाद में नकद निकालकर गिरोह के सदस्यों में बांटी जाती थी। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें रोहिणी जेल के सहायक अधीक्षक सुनील कुमार, हेड वार्डर योगेश, वार्डर जगबीर, उत्तर प्रदेश के बागपत निवासी वकील हरेंद्र बंसल और दिल्ली निवासी विप्लव खारी शामिल है।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की बड़ी कार्रवाई, क्रॉस वोटिंग करने वाले तीन पार्षदों को पार्टी से सस्पेंड किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। एमसीडी की जोनल कमिटियों के चेयरमैन व डिप्टी चेयरमैन पद के लिए बुधवार को हुए चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग करने वाले तीन पार्षदों के खिलाफ 24 घंटे के अंदर सख्त कार्रवाई करते हुए आम आदमी पार्टी ने तीन को सस्पेंड कर दिया है। ‘आप’ के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि वेस्ट जोन में निर्मला देवी और कृष्णा देवी राघव के साथ सिटी एसपी जोन से सुल्ताना आबाद को सस्पेंड कर दिया गया है।एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने बताया कि वॉर्ड कमिटी के चुनाव में वेस्ट दिल्ली जोन के अंदर चेयरमैन पद के लिए दो क्रॉस वोट पड़े थे। आप के 13 वोट थे, लेकिन हमें 11 वोट ही मिले। हमारे दो लोगों ने क्रॉस वोटिंग की थी। इसी के चलते वॉर्ड नंबर 114 से निर्मला देवी शर्मा और 116 से कृष्णा देवी राघव को तुरंत पार्टी ने सस्पेंड कर दिया। इसी तरह सिटी एसपी जोन के अंदर सुल्ताना आबाद ने भी पार्टी को वोट नहीं किया।

बीजेपी हुई हमलावर

आम आदमी पार्टी की इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली बीजेपी के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने अपनी तीन महिला पार्षदों को सस्पेंड करके एक बार फिर यह साफ कर दिया है कि केजरीवाल कल भी महिला विरोधी थे और आज भी महिला विरोधी हैं।

12 में से 10 वार्ड समितियों पर बीजेपी का कब्जा

चुनाव परिणामों में भाजपा ने 12 में से 10 वार्ड समितियों के अध्यक्ष पदों पर जीत दर्ज की, जबकि स्थायी समिति की 6 में से 5 सीटों पर कब्जा जमाया। वहीं, आम आदमी पार्टी को केवल 2 वार्ड समितियों के अध्यक्ष पद और स्थायी समिति की एक सीट पर जीत मिली। एमसीडी की 18 सदस्यीय स्थायी समिति निगम की सबसे महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाली संस्था है। यह समिति 5 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली परियोजनाओं, वित्तीय प्रस्तावों, अनुबंधों और नीतिगत मामलों को मंजूरी देने का अधिकार रखती है। वर्तमान में स्थायी समिति में भाजपा के 12 सदस्य, जबकि आम आदमी पार्टी के 6 सदस्य हैं, जिससे समिति में भाजपा का स्पष्ट बहुमत है।

शिवसेना नेता शाइना एनसी का व्हाट्सऐप हैक, साइबर ठगों ने 8 लोगों से ट्रांसफर करवाएं 49-49 हजार रुपये

शिवसेना की राष्ट्रीय प्रवक्ता शाइना एनसी का व्हाट्सऐप अकाउंट हैक कर साइबर ठगों ने उनके परिचितों से आर्थिक मदद के नाम पर लाखों रुपये ठग लिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो		
मुंबई। साइबर अपराधियों के निशाने पर इन दिनों देश के प्रमुख राजनीतिक नेता हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और संसद संबित पात्रा के व्हाट्सऐप अकाउंट हैक होने की घटना के कुछ ही दिनों बाद शिवसेना की राष्ट्रीय प्रवक्ता शाइना एनसी भी साइबर ठगी का शिकार हो गईं। उनके व्हाट्सऐप अकाउंट को हैक कर ठगों ने उनके कई परिचितों को आर्थिक मदद के नाम पर संदेश भेजे और लाखों रुपये की ठगी को अंजाम दिया। साइबर ठगों ने शाइना एनसी के व्हाट्सऐप अकाउंट से उनके कॉन्टेक्ट्स को कुछ मदद चाहिए लिखकर संदेश भेजे। इसके बाद उनसे तत्काल 49,000 रुपये ट्रांसफर करने की मांग की गई और भरोसा दिलाया गया कि दो घंटे के भीतर पूरी रकम वापस कर दी जाएगी।		वास्तविक मानते हुए रकम भेज दी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक कम से कम आठ लोगों ने पैसे ट्रांसफर किए। इससे कुल 8 लोगों से 3.92 लाख रुपये की ठगी हुई। शाइना एसी ने बताया कि जैसे ही उन्हें अकाउंट हैक होने की जानकारी मिली उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। उन्होंने पुलिस को हैकर के जौपे अकाउंट को ब्लॉक करने का अनुरोध किया। उनका कहना है कि दोपहर 1:58 बजे पुलिस को शिकायत दे दी गई थी, लेकिन कार्रवाई में देरी के कारण ठग कई घंटों तक लोगों से बातचीत करते रहे और शाम करीब छह बजे तक पैसे ट्रांसफर होते रहे।
8 लोगों से ट्रांसफर करवाए पैसे	शाइना के परिचितों ने भी इस व्हाट्सऐप मैसेज को	

4 दोस्त समंदर में नहाने उतरे... दो लौट आए, एक की मौत हो गई, चौथे की तलाश अब भी जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो		
पालघर। महाराष्ट्र में पालघर जिले के मशहूर अर्नाला बीच पर समंदर में नहाने गए चार किशोरों में से एक की डूबने से मौत हो गई, जबकि दूसरा अब भी लापता है. अधिकारियों ने बताया कि तेज लहरों की वजह से हादसा हुआ. फिलहाल पुलिस, राजस्व विभाग और स्थानीय लाइफगार्ड की टीमें लापता किशोर की तलाश में जुटी हैं. घूमने गए थे. बीच पर मस्ती कर रहे थे. फिर चारों दोस्तों ने सोचा कि थोड़ा समंदर में भी उतरते हैं. लेकिन कुछ ही मिनटों में सब कुछ बदल गया. तेज लहरों ने चारों को अपनी तरफ खींच लिया. दो लड़के किसी तरह बच गए, लेकिन बाकी दो समंदर में लापता हो गए. अगले दिन एक का शव मिला, जबकि दूसरे की तलाश अब भी जारी है. यह हादसा महाराष्ट्र के पालघर जिले के मशहूर अर्नाला बीच का है. गुरुवार की दोपहर मुंबई से सटे विरार इलाके में चार नाबालिंग दोस्त समुद्र में नहाने के लिए उतरे थे. शुरुआत में सब ठीक था, लेकिन अचानक समुद्र की तेज धाराओं में फंस गए और पानी में चले गए. इस दौरान बीच पर मौजूद लाइफगार्ड ने हालात बिगड़ते देख तुरंत रेस्क्यू शुरू किया. काफी		मौसम राहत कार्य में सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं. अधिकारियों का कहना है कि जैसे ही समुद्र की स्थिति नॉर्मल होगी, खोज अभियान और तेज किया जाएगा. बारिश के मौसम में क्यों बढ़ जाता है खतरा? मानसून के दौरान समुद्र की धाराएं अचानक तेज हो जाती हैं. कई बार किनारे के पास पानी शांत दिखाई देता है, लेकिन कुछ ही दूरी पर तेज धार गहरे पानी में खींच लेती है. यही वजह है कि प्रशासन बार-बार खराब मौसम में समुद्र में न उतरने की सलाह देता है.

पंढरपुर में श्रद्धालु ने विहल के दरबार में दान कीं 56 लाख की पादुकाएं... 446 ग्राम सोने से हुई हैं तैयार

महानगर मेट्रो ब्यूरो		
पंढरपुर। महाराष्ट्र के पंढरपुर में स्थित श्री विठ्ठल-रुक्मिणी मंदिर में आषाढ़ी यात्रा के दौरान एक श्रद्धालु ने 446 ग्राम वजन की सोने की पादुकाएं दान की हैं. इनकी अनुमानित कीमत करीब 56.59 लाख रुपये बताई गई है. दान करने वाले ने अपनी पहचान उजागर नहीं की. कीमती दान के लिए अलग व्यवस्था है, जहां सोने-चांदी की वस्तुओं की जांच, वजन और पंजीकरण के बाद उन्हें सुरक्षित रखा जाता है.डु पंढरपुर। महाराष्ट्र के पंढरपुर में आषाढ़ी यात्रा के बीच एक श्रद्धालु ने श्री विठ्ठल-रुक्मिणी मंदिर को 446 ग्राम सोने की पादुकाएं दान की हैं. दान देने वाले ने अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं करने की इच्छा जताई. मंदिर समिति ने भी उनकी इस इच्छा का सम्मान करते हुए नाम गोपनीय रखा है. मंदिर समिति के मुताबिक, इन स्वर्ण पादुकाओं की अनुमानित कीमत करीब 56.59 लाख रुपये है. आषाढ़ी यात्रा के दौरान यह मंदिर को मिले सबसे चर्चित दानों में से एक बन गया है. इन दिनों पंढरपुर में आषाढ़ी यात्रा चल रही है. महाराष्ट्र ही नहीं, देश के		जाती है, उसका वजन किया जाता है, रिकॉर्ड में दर्ज किया जाता है और फिर सुरक्षित रखा जाता है. इस प्रक्रिया के लिए दो अनुभवी सराफ (ज्वेलर्स) और मंदिर समिति के कर्मचारी तैनात रहते हैं, ताकि पूरी व्यवस्था पारदर्शी और सुरक्षित बनी रहे. मंदिर समिति के प्रबंधक प्रवीण कुमार घम ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि अगर वे सोना, चांदी या अन्य बहुमूल्य वस्तुएं दान करना चाहते हैं, तो मंदिर समिति के अधिकृत दान कक्ष के माध्यम से ही दान करें और उसकी आधिकारिक रसीद जरूर लें. पंढरपुर में आषाढ़ी यात्रा के दौरान हर साल करोड़ों रुपये का नकद और बहुमूल्य दान मिलता है. लेकिन इस बार 56.59 लाख रुपये कीमत की 446 ग्राम सोने की पादुकाओं ने श्रद्धालुओं के बीच खास चर्चा है.

महाराष्ट्र में 20 जुलाई को अस्पतालों की OPD रहेगी बंद डॉक्टरों पर हमले के विरोध में IMA का ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो		
मुंबई। महाराष्ट्र के डॉंबिवली में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों पर हुए हमले के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन महाराष्ट्र ने बड़ा ऐलान किया है. इसमें कहा गया है कि 20 जुलाई को 24 घंटे का राज्यव्यापी आंदोलन होगा. इस दौरान पूरे महाराष्ट्र में OPD, सर्जरी और सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं बंद रहेंगे. हालांकि, इमरजेंसी, ICU, प्रसूति और अन्य सेवाएं जारी रहेंगी. अस्पताल में डॉक्टरों और नर्सों पर हुए हमले के बाद अब पूरे महाराष्ट्र में इसका असर दिखने लगा है. इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने 20 जुलाई को राज्यभर में 24 घंटे तक नियमित स्वास्थ्य सेवाएं बंद रखने का ऐलान किया है. इसका मतलब है कि उस दिन OPD नहीं चलेगी, पहले से तय सर्जरी टाल दी जाएगी और सामान्य इलाज की सेवाएं भी प्रभावित रहेंगी. हालांकि, राहत की बात यह है कि इमरजेंसी, ICU, प्रसूति सेवाएं और अन्य जीवनरक्षक इलाज जारी रहेंगे. यह फैसला डॉंबिवली के शास्त्रीनगर नगर निगम अस्पताल में डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों पर हुए हिंसक हमले के विरोध में		लिया गया है. IMA का कहना है कि इयूटी कर रहे डॉक्टरों पर हमला सिर्फ किसी एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र पर हमला है. इसी के विरोध में 20 जुलाई सुबह 6 बजे से 21 जुलाई सुबह 6 बजे तक महाराष्ट्र में 24 घंटे का राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा. IMA के मुताबिक, इस दौरान नियमित OPD बंद रहेंगी. पहले से तय इलेक्टिव (नियोजित) सर्जरी नहीं होंगी. सामान्य चिकित्सा सेवाएं भी बंद रहेंगी, लेकिन गंभीर मरीजों को परेशानी न हो, इसलिए

अहमदाबाद, (शनिवार) 18 जुलाई 20266

उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि समय पर कार्रवाई होती तो कई ट्रांजैक्शन रोक जा सकते थे। उनके अनुसार साइबर अपराध के मामलों में हर मिनट बेहद महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि यदि एक नेता के मामले में इतनी देरी हो सकती है तो आम नागरिकों को न्याय मिलने में कितनी कठिनाई होती होगी। इसका अंदाजा इसी मामले से लगाया जा सकता है। शाइना ने इस पूरे मामले की शिकायत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से भी की है और कार्रवाई में हुई देरी पर नाराजगी जताई है। वहीं, पीड़ितों में से एक ने बताया कि उन्हें किसी तरह का संदेह नहीं हुआ क्योंकि शाइना उनके परिवार की परिचित हैं। इसलिए उन्होंने बिना पुष्टि किए पैसे भेज दिए।

पुलिस की कार्रवाई पर उठाए सवाल
उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि समय पर कार्रवाई होती तो कई ट्रांजैक्शन रोक जा सकते थे। उनके अनुसार साइबर अपराध के मामलों में हर मिनट बेहद महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि यदि एक नेता के मामले में इतनी देरी हो सकती है तो आम नागरिकों को न्याय मिलने में कितनी कठिनाई होती होगी। इसका अंदाजा इसी मामले से लगाया जा सकता है। शाइना ने इस पूरे मामले की शिकायत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से भी की है और कार्रवाई में हुई देरी पर नाराजगी जताई है। वहीं, पीड़ितों में से एक ने बताया कि उन्हें किसी तरह का संदेह नहीं हुआ क्योंकि शाइना उनके परिवार की परिचित हैं। इसलिए उन्होंने बिना पुष्टि किए पैसे भेज दिए।
अगर मैं नाकाम रहा, तो भूत बनकर लौटूंगा , सोनम वांगचुक के भूख हड़ताल का 20वां दिन, संसद मार्च का संकल्प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुक्रवार को लगातार 20वें दिन भी जारी रही। शिक्षा सुधार के लिए काम करने वाले वांगचुक ने अपना विरोध जारी रखने और 20 जुलाई को संसद तक होने वाले प्रस्तावित मार्च में शामिल होने के अपने संकल्प को दोहराया। अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए, गिरती सेहत के बावजूद वांगचुक ने कड़े तेवर दिखाए, साथ ही मजाकिया अंदाज भी बनाए रखा। उन्होंने कहा कि मैं 20 जुलाई तक किसी भी तरह जिंदा रहूंगा ताकि आप सबके साथ संसद तक मार्च कर सकूँ। और अगर 20 जुलाई को हमारा मार्च सफल नहीं हुआ, तो मैं भूत बनकर वापस आऊंगा!

नैं भूत बनकर... सोनम वांगचुक ने क्या कहा

सोनम वांगचुक का शुक्रवार को जंतर मंतर से वीडियो सामने आया है। इसमें उन्होंने कहा कि 'मैं बाहर से कमजोर हूँ लेकिन अंदर से बहुत मजबूत हूँ। मुझे उम्मीद है कि आप लोग अंदर-बाहर दोनों से बहुत मजबूत होंगे। तो यह मजबूती हमें 20 जुलाई तक चाहिए, जब हम बहुत ही शांतिपूर्ण तरीके से संसद तक मार्च निकालेंगे। जब हम एक साथ चलेंगे और देश के मंदिर में अपनी प्रार्थना सुनाएंगे। आप सब चलेंगे हमारे साथ? वादा करते हैं ना? मैं 20 जुलाई तक जिंदा रहूंगा। अगर नहीं आए और 20 जुलाई का प्रदर्शन सफल नहीं रहा तो मैं भूत बनके आऊंगा।'सामाजिक कार्यों तों सोनम वांगचुक के भूख हड़ताल का आज 20वां दिन है।

दिल्ली को मिले 45 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्तरू बोलीं- ये मोहल्ला विलनिक जैसे नहीं

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए ऐलान किया कि दिल्ली की हर विधानसभा को 100 करोड़ का बजट दिया गया है
शहरी आयुष्मान आरोग्य मन्दिर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए आज राजधानी में 45 नए 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' खोले गए हैं. एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इन स्वास्थ्य केंद्रों का उद्घाटन किया और दिल्ली की सरकार की उपलब्धियां गिनाईं. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, यह पुराने मोहल्ला क्लिनिक की तरह नहीं है, यहां आधुनिक स्वास्थ्य ढांचा और सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं. दिल्ली के लोगों को बेहतर जीवन और स्वास्थ्य सुविधाएं देना हमारी जिम्मेदारी है, जिसे हम पूरी ईमानदारी से निभा रहे हैं. मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली की हर एक विधानसभा को विकास कार्यों के लिए 100-100 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट दिया गया है. अब हर एक ब्लॉक और कॉलोनी में तेजी से काम चल रहा है, उन्होंने आरडब्ल्यूए और स्थानीय निवासियों को भरोसा देते हुए कहा कि अब अगर किसी भी ब्लॉक के लोग काम करवाने के लिए कहेंगे, तो मुख्यमंत्री फंड में पैसे की कोई कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी. ?त्रिगगर विधानसभा वर्षों से दुखी थी, कोई काम नहीं नहीं हो रहा था, 2एक वोट ने ताकत दी जिसके चलते हजारो काम हो पा रहे हैं.

जलमगव से मुक्ति और पिछली सरकारों पर निशाना

मुख्यमंत्री ने कहा, दिल्ली में 15 साल और 11 साल तक चलने वाली सरकारें चली गईं, लेकिन जो काम पिछली सरकारें सालों में नहीं कर सकीं, वो काम हमारी सरकार करके दिखाएंगी.उन्होंने इस साल के मानसून प्रबंधन का जिक्र करते हुए दावा किया कि दिल्ली में जो इलाके हर साल पूरी तरह से जलमग्न हो जाते थे, इस बार वहां बिल्कुल भी जलभराव देखने को नहीं मिला है. शासन में पारदर्शिता लाने के लिए मुख्यमंत्री ने 'भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त चेतावनी दी. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार 'जोटो टॉलरेंस ऑगैस्ट करप्शन' की नीति पर काम कर रही है. भ्रष्टाचार करने वाला व्यक्ति चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा. इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली वासियों के लिए एक बड़े प्रशासनिक सुधार का ऐलान किया सरकार आगामी मानसून सत्र में 'राइट टू सर्विस' कानून लेकर आ रही है.

मैकलॉयड रसेल बेचेगा चाय बागान, ऋण पुनर्गठन से मिली हरी झंडी

एनएआरसीएल ने वापस ली दिवालियापन अर्जी, 2029 तक चुकाना होगा कर्ज

नई दिल्ली ।

मैकलॉयड रसेल इंडिया अब अपने चाय बागानों की बिक्री शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल) ने राष्ट्रीय कंपनी कानून पंचाट (एनसीएलटी) से कंपनी के खिलाफ दायर अपनी दिवालियापन की अर्जी औपचारिक रूप से वापस ले ली है, जिससे कंपनी के लिए यह रास्ता साफ हो गया है। एनसीएलटी के कोलकाता पीठ ने एनएआरसीएल की वकील इंडिया डेट रिजॉल्यूशन कंपनी लिमिटेड के माध्यम से दायर अर्जी को वापस लिया हुआ मानकर खारिज कर दिया। हालांकि, पीठ ने शर्त रखी कि पुनर्गठन प्रक्रिया विफल होने पर अर्जी फिर से शुरू की जा सकती है। यह घटनाक्रम 2 अप्रैल, 2026 को एनएआरसीएल द्वारा कंपनी के ऋणों के पुनर्गठन के लिए अनुमति पत्र जारी करने के बाद हुआ। एनएआरसीएल, जो 31 दिसंबर, 2025 तक कुल ऋणदाताओं के 75.02 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है, मूल रूप से एचडीएफसी बैंक के लगभग 444.55 करोड़ रुपये के ऋण का अधिकार प्राप्त करने वाली बन गई थी। इस अनुमति पत्र के तहत, मैकलॉयड रसेल को 15 फरवरी, 2029 तक एनएआरसीएल को 1,050 करोड़ रुपये चुकाने होंगे। कंपनी सूत्रों के संकेत हैं कि इस दायित्व को पूरा करने के लिए मैकलॉयड बागानों की पहली खेप की बिक्री के साथ आगे बढ़ेगी।

सोना चमका, चांदी की चमक पड़ी फीकी

सोना 1.40 लाख के पार, चांदी 2.15 लाख के करीब

नई दिल्ली।



सोने और चांदी के वायदा भाव में शुक्रवार को मिलाजुला रुख देखने को मिला। जहां घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने की कीमतों में तेजी दर्ज की गई, वहीं चांदी की चमक फीकी पड़ी और उसके भाव लुढ़क गए। निवेशकों ने सोने को सुरक्षित निवेश के रूप में पसंद किया, जबकि चांदी में मुनाफावसूली हावी रही। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएफए) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने तक 1,40,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले बंद भाव 1,40,348 से 310 रुपए की तेजी दर्शाता है। दिन के कारोबार में सोने ने 1,40,733 रुपए का उच्च स्तर भी छुआ, जो इसकी मजबूत स्थिति को दर्शाता है। इसके विपरीत एमसीएफएस पर चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 2,15,655 रुपए प्रति किलोग्राम पर लुढ़क गया, जिसमें पिछले बंद भाव 2,16,013 से 358 रुपए की गिरावट दर्ज की गई। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही और यह 2.15 लाख रुपये किलो के करीब आ गई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने में बढ़त दिखाी। यह 3,996.70 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो 4.60 डॉलर की तेजी दर्शाता है। हालांकि इसकी शुरुआत 3,980.10 डॉलर प्रति औंस पर गिरावट के साथ हुई थी, लेकिन बाद में इसमें सुधार आया। वहीं कॉमेक्स पर चांदी 55.75 प्रति औंस पर फिसल गई, जिसमें 0.46 डॉलर की गिरावट दर्ज की गई। चांदी के भाव अंतरराष्ट्रीय बाजार में 55 डॉलर प्रति औंस तक भी गिरे थे, जो इसकी कमजोर धारणा को दर्शाता है।

बैंकों को जल्द संपत्ति 7 साल में बेचनी होगी: आरबीआई

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों के लिए फसे कर्ज के बदले जब्त की गई अचल संपत्तियों (एसएलएफए) के निपटान हेतु संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत बैंकों को ऐसी संपत्तियों को अधिकतम 7 साल के भीतर सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से

बेचना अनिवार्य होगा।आरबीआई ने कहा कि बैंक को खिह्ति गैर वित्तीय संपत्ति (एसएनएफए) को अपनी नीति के तहत निर्धारित अधिकतम 7 साल की अवधि के भीतर निपटाना होगा। इसके लिए सरफेसी अधिनियम, 2002 में निहित नीलामी के सिद्धांतों का पालन करते हुए सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से जल्द से जल्द निपटान के सभी प्रयास

एनआरआई ला सकते हैं भारत में 80 अरब डॉलर

विदेशी मुद्रा मंडार होगा मजबूत | एफसीएनआर जमा पर बढ़ी ब्याज दर बनी आकर्षक,



सिंगापुर ।

भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल के तहत अनिवासी भारतीय (एनआरआई) मौजूदा विदेशी मुद्रा अनिवासी (एफसीएनआर) जमा योजना के जरिए भारत में 70-80 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा ला सकते हैं। सिंगापुर के एक चार्टर्ड अकाउंटेंट ने शुक्रवार को यह

जानकारी दी, जिसके अनुसार बैंक सीमित अवधि के लिए एफसीएनआर जमा पर अधिक ब्याज दर की पेशकश कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पश्चिम एशिया संकेत के बीच विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत करने और रुपये को समर्थन देने के लिए सीमित अवधि हेतु बैंकों को एफसीएनआर जमा पर अधिक ब्याज दर की पेशकश करने की अनुमति दी है। एफसीएनआर योजना एनआरआई और भारतीय मूल के व्यक्तियों (पीआईओ) को भारतीय बैंकों में अपनी विदेश में अर्जित आय को प्रमुख विदेशी

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 965 , निफ्टी भी 261 अंक उछला



मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह

के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी होने से आई है।

चीन ने रेयर अर्थ रोके तो 6.5 ट्रिलियन डॉलर का उत्पादन प्रभावित होगा आईईए

स्मार्टफोन, ईवी से लेकर लड़ाकू विमान तक के निर्माण पर पड़ेगा असर

मुंबई।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की ग्लोबल क्रिटिकल मिनरल्स आउटलुक 2026 रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि चीन रेयर अर्थ के निर्यात पर प्रतिबंध लगाता है, तो चीन से बाहर 6.5 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 6.5 लाख करोड़ डॉलर) का वैश्विक अर्थव्यवस्था कुछ चुनिंदा क्रिटिकल मिनरल्स पर अत्यधिक निर्भर है, जिनकी आपूर्ति सीमित देशों में केंद्रित है। चीन ने अक्टूबर 2025 में निर्यात के लिए लाइसेंस नियम सख्त किए थे, जिसका पूर्ण कार्यान्वयन नवंबर 2026 तक टला है, पर वैश्विक उद्योगों में अनिश्चितता बनी हुई है।

खनिजों का समूह है, जो स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और लड़ाकू विमान जैसे हाई-टेक उपकरणों के निर्माण में आवश्यक हैं। आईईए के एक अ धिकारी ने चेताया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था कुछ चुनिंदा क्रिटिकल मिनरल्स पर अत्यधिक निर्भर है, जिनकी आपूर्ति सीमित देशों में केंद्रित है। चीन ने अक्टूबर 2025 में निर्यात के लिए लाइसेंस नियम सख्त किए थे, जिसका पूर्ण कार्यान्वयन नवंबर 2026 तक टला है, पर वैश्विक उद्योगों में अनिश्चितता बनी हुई है।

कारों के कंप्यूटरीकरण ने बदली ऑटो कंपनियों की भर्ती रणनीति

मैकेनिकल की जगह अब इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर, डेटा और एआई विशेषज्ञों की मांग

नई दिल्ली।

वाहनों के बढ़ते कंप्यूटरीकरण और डेटा-केंद्रित संचालन के कारण भारतीय वाहन उद्योग अपनी भर्ती रणनीति में एक मौलिक बदलाव देख रहा है। पारंपरिक मैकेनिकल इंजीनियरों के बजाय, अब कंपनियां तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर, डेटा वैज्ञानिक और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) विशेषज्ञों की तलाश कर रही हैं। यह बदलाव लगभग पांच साल पहले शुरू हुआ

और अब रफ्तार पकड़ चुका है। वाहन उद्योग अब कारों द्वारा उत्पन्न और संसाधित किए जा रहे हर क्षण के डेटा पर केंद्रित हो गया है। इस तकनीकी क्रांति के कारण वाहन निर्माता अब इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों, कोडर्स, डेटा वैज्ञानिकों, साइबर सुरक्षा और एआई विशेषज्ञों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो पहले मैकेनिकल इंजीनियरों और विनिर्माण विशेषज्ञों को दी जाती थी। यह बदलाव न केवल भर्ती पैटर्न को बदल रहा है बल्कि वाहन कंपनियों में महिलाओं की संख्या

भी बढ़ा रहा है, जिससे केवल महिलाओं द्वारा संचालित उत्पादन क्षेत्रों का मार्ग भी प्रशस्त हो रहा है। टाटा मोटर्स में, 60 प्रतिशत से अधिक इंजीनियरिंग भर्ती अब विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर और एम्बेडेड सिस्टम जैसे क्षेत्रों से होती है। कंपनी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी सीताराम कांडी के अनुसार, यह पारंपरिक ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग और डिजिटल तकनीकों के बीच बढ़ते संगम को दर्शाता है। ब्रुंडे मोटर भी इसी तरह के रुझान देख रही है,

जहां उत्पाद नियोजन, कनेक्टिविटी, मोबिलिटी, खरीद और विनिर्माण इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में विशेष रूप से इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर और एंबेडेड सिस्टम से जुड़े पेशेवरों की बढ़ती आवश्यकता है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर अब कनेक्टेड फीचर्स, एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम और बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम जैसी तकनीकों पर काम करने के लिए वाहन डिजाइन के शुरुआती चरणों से ही प्रक्रिया का हिस्सा बन रहे हैं।

एचयूएल की ग्रोथ पर भरोसा, बीयूवाय रेटिंग बरकरार

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने रखा 2,800 रुपए का लक्ष्य दिया

नई दिल्ली ।

हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) अपनी विकास रणनीति में बड़ा बदलाव कर रही है। अब कंपनी सिर्फ दाम बढ़ाकर नहीं, बल्कि ज्यादा सामान बेचकर कारोबार बढ़ाना चाहती है। इस नई दिशा को देखते हुए, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने एचयूएल के शेयर पर खरीदों की रेटिंग बनाए रखी है और 2,800 रुपए का टारगेट दिया है, जो मौजूदा 2,120 रुपए के भाव से करीब 32 फीसदी की संभावित तेजी दर्शाता है। कंपनी का लक्ष्य अधिक से अधिक

उत्पादों की बिक्री से कारोबार बढ़ाना है। इसके लिए नए प्रोडक्ट्स लॉन्च करने, महंगे यानी प्रीमियम सेगमेंट पर जोर देने और गांवों से लेकर शहरों तक अपने वितरण नेटवर्क को मजबूत करने की योजना है। ग्राहकों की बदलती पसंद और बाजार की तेजी को देखते हुए रणनीतिक फैसले लिए जाएंगे ताकि बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का मानना ​​है कि एचयूएल के मजबूत ब्रांड, विस्तृत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और प्रीमियम प्रोडक्ट्स का इच्छा पैटर्नफोलियो कंपनी को फायदा देगा।

आयकर पोर्टल पर अब दिखेगी विदेशी आय-परिसंपत्ति की जानकारी

करदाताओं को एआईएस में विदेशी बैंक खातों और निवेश का ब्यौरा

नई दिल्ली ।

आयकर विभाग ने करदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा शुरू की है। अब वे अपने आयकर विवरणिका फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस) में विदेशी बैंक खाते, निवेश खाते और विदेशी कर प्राधिकरणों द्वारा भारत को साझा

की गई कुछ विदेशी आय की जानकारी देख सकते हैं। इसका उद्देश्य करदाताओं को आयकर विवरणिका दाखिल करते समय विदेशी परिसंपत्तियों और आय की सही जानकारी देने में मदद करना है।

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने यह सुविधा ऑटोमैटिक एक्सचेंज ऑफ

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 96.23 पर बंद हुआ। आज सुबह घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 14 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.28 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, विदेशी पूंजी की भारी बिकवाली और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित रखा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.35 प्रति डॉलर पर खुला। फिर बढ़त के साथ 96.28 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की मजबूती दिखाता है। रुपया गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ 17 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 100.78 पर रहा।

त्योहारों से पहले महंगाई का वार, गेहूं और खाद्य तेलों के दाम बढ़े

घरेलू उत्पादन में गिरावट और कमजोर रुपये से कीमतें उछलने की आशंका

नई दिल्ली ।

हवा दे रही है। पिछले एक माह में घरेलू बाजार में गेहूं के दाम 8 फीसदी से ज्यादा बढ़ चुके हैं। काला सागर क्षेत्र में आपूर्ति जोखिमों और यूक्रेन के बंदरगाहों पर हमलों के कारण वैश्विक बाजार में गेहूं के दाम उछले हैं, जिससे शिकागो वायदा दो महीने के उच्चतम स्तर पर है। इसका असर भारतीय मंडियों पर भी पड़ा है, जहां इंदौर में 8.44 फीसदी, जबकि दिल्ली, कानपुर और कोटा

में औसतन 3.5-4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। घरेलू स्तर पर भी बढ़ता तापमान और बेमौसम बारिश गेहूं उत्पादन के अनुमान को घटा रहे हैं, जिससे भविष्य में कीमतें और बढ़ सकती हैं। खाद्य तेलों की कीमतों में भी तेजी आने की पूरी आशंका है। इस साल सोयाबीन की खेती में 6 फीसदी की कमी और अपर्याप्त बारिश से प्रति हेक्टेयर उत्पादन घटने की संभावना है। वैश्विक स्तर पर पाम

तेल की कमी और बायोफ्यूल में इसके बढ़ते इस्तेमाल ने सोया व सूरजमुखी तेल को महंगा किया है। भारत ने फिलहाल आयात कम किया है, जो भविष्य में घरेलू स्टॉक पर दबाव बढ़ाएगा। कमजोर रुपया भी आयात लागत बढ़ा रहा है। अगस्त के पहले पखवाड़े से शुरू होने वाली त्योहारी मांग इन कीमतों को और ऊपर धकेल सकती है, जिससे उपभोक्ताओं पर सीधा असर पड़ेगा।

रिलायंस के प्रवर्तकों ने अप्रैल-जून तिमाही में बढ़ाई 0.5 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।



रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के प्रवर्तक समूह ने अप्रैल-जून तिमाही में बाजार से शेयर खरीदकर अपनी हिस्सेदारी में करीब 0.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। नियामक आंकड़ों के अनुसार यह हिस्सेदारी बढ़कर 50.48 प्रतिशत हो

गई है, जिसे देश की सबसे मूल्यवान कंपनी के प्रति उनके दीर्घकालिक भरोसे का संकेत माना जा रहा है। इस खरीद पर 8,500 करोड़ से 9,000 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। यह खरीद भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के क्रीपिंग एंक्टिवेशन नियमों के तहत अनुमत सीमा के भीतर की गई। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब रिलायंस खुदरा, डिजिटल और नई ऊर्जा जैसे नए कारोबारों में भारी निवेश कर रही है। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, प्रवर्तकों की हिस्सेदारी बढ़ाना कंपनी की संभावनाओं और भविष्य की योजनाओं के प्रति प्रबंधन के गहरे भरोसे का संकेत है। उनका मानना ​​है कि यह बढ़ोतरी दीर्घकालिक मूल्य के प्रति विश्वास दर्शाती है और अल्पसंख्यक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक है।

जर्मनी में उतरी हीरो मोटोकॉर्फ, केएसआर ग्रुप के साथ शुरू की नई पारी

नई दिल्ली ।

प्रमुख भारतीय दोपहिया वाहन कंपनी हीरो मोटोकॉर्फ ने अपनी वैश्विक पहुंच का विस्तार करते हुए जर्मनी के बाजार में धमाकेदार एंट्री की है। कंपनी ने केएसआर ग्रुप के साथ एक रणनीतिक वितरण साझेदारी की घोषणा की, जिसके तहत वह वहां के ग्राहकों तक अपने यूरो-5 प्लस मानकों के अनुरूप उत्पादों की श्रृंखला पेश करेगी। इस नई शुरुआत में कंपनी सबसे पहले अपनी लोकप्रिय एक्सप्रेस 200 4वीं सीरीज को लॉन्च करेगी। हीरो मोटोकॉर्फ के एक अधिकारी ने इस कदम को वैश्विक विस्तार की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इटली, स्पेन, फ्रांस और ब्रिटेन में सफल

प्रवेश के बाद यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी में कदम रखना कंपनी की बढ़ती ताकत और क्षेत्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जर्मनी, हीरो मोटोकॉर्फ के लिए यूरोप का पांचवां और वैश्विक स्तर पर 53वां बाजार बन गया है। केएसआर ग्रुप ने साझेदारी पर खुशी जताई और ग्राहकों को प्राथमिकता देने के साझा विजन पर जोर दिया।

कंपनी की योजना है कि केएसआर ग्रुप शुरुआत में जर्मनी के प्रमुख शहरों में 28 से अधिक बिक्री और सेवा केंद्रों के माध्यम से परिचालन शुरू करेगा, जिसका लक्ष्य जल्द ही इस संख्या को बढ़ाकर 30 से अधिक करना और पूरे देश में नेटवर्क का तेजी से विस्तार करना है।



शॉपिंग के दौरान बचाने हैं पैसे तो फॉलो करें ये आसान टिप्स

शॉपिंग के दौरान अक्सर लोग अपने तय बजट से ज्यादा खर्च कर देते हैं, जो उनके बजट पर बुरा असर डालता है। इस स्थिति में उनके लिए महीने को मैनेज करना बड़ा टास्क बन जाता है। आपके साथ ऐसा न हो इसके लिए हम लाए हैं कुछ बेहतरीन टिप्स।

बनाएं लिस्ट

सबसे पहले तो इसकी लिस्ट बनाएं कि आपको क्या लेना है। लिस्ट का तरीका सिर्फ किराना लाने के लिए बल्कि कपड़ों आदि की शॉपिंग के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस आपको अपने कपड़ों को एक बार अच्छे से देखना है और यह लिखना है कि आपके पास क्या नहीं है या किस तरह के कपड़ों की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है। यह फिल्टर उन चीजों पर बिना मतलब के खर्च से बचने में मदद करेगा।

कैरी करें सिर्फ कैश

लोग डिजिटल पैमेंट की ओर जा रहे हैं और हम कैश कैरी करें जी हां, अगर आपको अपने बजट में रहते हुए शॉपिंग करना है तो इससे अच्छा और कोई तरीका नहीं हो सकता। जब खर्च करने के लिए एकसटा पैसे ही नहीं होंगे तो भला आप दूसरी चीजों पर खर्च ही कैसे कर सकेंगे

और यही चीज आपको फालतू के खर्चों से बचा लेगी।

एक जगह न अटकें

चाहे कपड़े लेने हों या फिर किराना, किसी एक जगह न अटके और दूसरी जगहों पर भी इन चीजों को देखें। उदाहरण के लिए कपड़ों पर एक जगह जो जीस आपको 4000 की मिल रही है, वैसी ही जीस दूसरी जगह डिस्काउंट के साथ मिल सकती है या फिर दूसरे ब्रैंड में कम कीमत पर खरीदी जा सकती है। इसी तरह मान लीजिए अगर एक ब्रैंड का लोशन 340 रुपये का मिल रहा है तो हो सकता है दूसरे ब्रैंड के लोशन पर इसी कीमत में एक के साथ एक फ्री मिल रहा है। इसलिए जितना हो सके पहले एक्सप्लोर जरूर करें।

बोरियत में कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं

बोरियत होने पर गेम्स खेलें, मूवी देखें, कुकिंग करें कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं। सबसे खतरनाक होती है इमोशनल शॉपिंग जो सबसे ज्यादा बिना मतलब का खर्चा करवाती है। इस तरह की शॉपिंग का एक और नुकसान यह भी होता है कि इस दौरान ली गई ज्यादातर चीजें ऐसी होती हैं जिनका आप कभी यूज भी नहीं करेंगे।

ऑनलाइन देखें ऑफ़र

आजकल ज्यादातर ब्रैंड्स की वेबसाइट्स भी

होती हैं जहां से कपड़ों को ऑनलाइन ऑर्डर किया जा सकता है। इन वेबसाइट्स पर अच्छा खासा डिस्काउंट भी उपलब्ध होता है। ऐसे में आप चाहे तो स्टोर में कपड़ों को ट्राई कर सकती हैं और सही साइज मिल जाने पर उसे ऑनलाइन सर्व करें। अगर वहां ये सस्ते में मिल रहे हैं तो फिर वेबसाइट से ही इसे ऑर्डर करें।

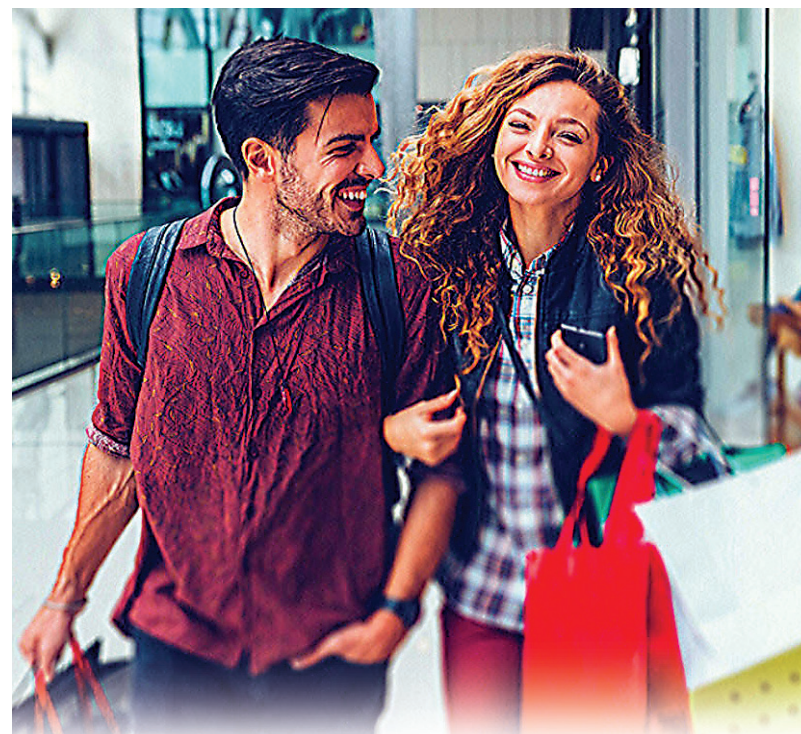
शॉपिंग पार्टनर

भी है अहम

हमें यकीन है आप में से कई लोगों ने कभी इस बात को सोचा भी नहीं होगा, लेकिन आपकी फिजूलखर्ची के लिए आपके साथ शॉपिंग पर गया शख्स भी जिम्मेदार हो सकता है। अगर वह आपको बार-बार नई चीज दिखाए और कहे



कि आप इसे ले लें क्योंकि यह अच्छा लगेगा, या फिर डिस्काउंट के चक्कर में ज्यादा चीजें लेने की सलाह दे तो बेहतर है कि अगली बार आप उसके साथ न जाएं। शॉपिंग पर ऐसे शख्स के साथ जाएं जो आपको फिजूलखर्ची से रोके और आपको जो लेना है उसकी ओर ध्यान केंद्रित करवाएं।



जा रहे हैं सब्जी लेने तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

सब्जी खरीदने की बात आती है तो ज्यादातर लोग बस दाम पर ही ध्यान देते हैं, लेकिन सिर्फ प्राइस कम है तो इसका मतलब यह नहीं कि यह फायदे का सौदा है। बल्कि आपको इन्हें खरीदने के दौरान ऐसी कई चीजों का ध्यान रखना चाहिए जो सब्जी की मौजूदा क्वालिटी और वह कितनी जल्दी खराब हो जाएगी यह तय करते हैं।

सब्जी न हो कहीं से डैमेज

सब्जी जब लें तो उसे चारों ओर से पलटकर ध्यान से जरूर देखें। अगर उसमें जरा सा भी छेद या कट दिखाई देता है तो उसे न लें। ऐसी सब्जियों में कीड़े होने के चांस ज्यादा रहते हैं। वहीं अगर जो सब्जियां किसी हिस्से से दबी हुई हों खासतौर से टमाटर जैसी चीज तो इनके जल्दी खराब होने का डर रहता है।

हल्का सा दबाकर देखें

टमाटर हो, प्याज हो, आलू हो, गाजर हो या कोई अन्य सब्जी, उसे दबाकर जरूर देखें। हल्के से दबाव से ही पता चल जाता है कि कहीं वह सब्जी अंदर से खराब तो नहीं है। हालांकि, पत्तेदार सब्जियों पर यह तरीका काम नहीं करता है।

जब बात आए पत्तेदार सब्जियों की

पत्तेदार सब्जियों में इतने वैरायटी होती है कि सभी पर एक तरीका काम नहीं करता है। हालांकि, कुछ कॉमन बातें हैं जिनका इन्हें लेने के दौरान ध्यान रखना जरूरी है। ध्यान में रखें कि ऐसी पत्तेदार सब्जी न लें जो पानी में बहुत ज्यादा भीगी हो, इनके जल्दी खराब होने के डर रहता है। पालक, लाभाजी जैसी सब्जियों को लेते वक्त एक-एक पत्ते को ध्यान से देख लें क्योंकि इनके बीच में कीड़े हो सकते हैं। पत्ते पीले या बड़े हों तो उन्हें न लें क्योंकि उनमें स्वाद कम होता है।

सूंघकर देखें

मार्केट में पैकड मशरूम, कॉर्नस, स्पाउटस जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें जब लें तो पैकेट को नाक से थोड़ी दूर पर रखते हुए उन्हें सूंघें। अगर वे पुराने होंगे तो उनकी स्मेल बदल चुकी होगी। ऐसे पैकेट्स को न लें, नहीं तो बीमार हो सकते हैं।

उतना ही लें जितना इस्तेमाल हो जाए

कई ऐसी सब्जियां होती हैं जिनमें सिर्फ उतना ही लेना चाहिए जितना आप इस्तेमाल कर पाएं। फ्रिज में भी ये सब्जियां ज्यादा दिन टिक नहीं पाती हैं। उदाहरण के लिए धनिया और टमाटर। ये दोनों ऐसी चीजें हैं जिनमें आप ज्यादा ले तो लें लेकिन अगर ये सिर्फ फ्रिज में ही रखी हैं तो तीन-चार दिन में ही ये खराब होना शुरू कर देंगी।



बेड के लिए परफेक्ट चादर खरीदने में काम आएंगी ये टिप्स



क्या आप मार्केट में नई बेडशीट लेने जाने के बारे में सोच रहे हैं अगर हां तो बेहतर होगा कि आप पहले नीचे दी गई जानकारी पढ़ें लें, ऐसा करने पर शायद आप ज्यादा बेहतर चादर का सिलेक्शन कर सकेंगे।

लोग आमतौर पर बेड के गद्दों को लेने से पहले पूरी जानकारी इकट्ठा कर लेते हैं लेकिन जब बात आती है चादर की तो वे इस मामले को हल्के में ले लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अच्छी नींद के लिए जितना जरूरी अच्छा गद्दा है उतनी ही जरूरी चादर भी है। आप अपने बेड के लिए कैसे सही चादर चुन सकते हैं इसमें नीचे दिए टिप्स आपके काफी काम आ सकते हैं। फैब्रिक का रखें ध्यान सबसे बड़ी और पहली बात होती है फैब्रिक का सही सिलेक्शन करना। यह इसलिए जरूरी होता है कि क्योंकि बेडशीट का कपड़ा आपके शरीर के संपर्क में आएगा इसलिए चादर का सिर्फ सुंदर होना नहीं बल्कि कंफर्टेबल होना भी जरूरी है। इस लिहाज से कॉटन की चादर बेस्ट फिट कही जा सकती है। कॉटन न सिर्फ स्किन के अग्रेस्ट कंफर्टेबल रहता है बल्कि यह ब्रिदेबल फैब्रिक भी माना जाता है, जो नमी इकट्ठा नहीं करता।

साइज

बस यूं ही चादर लेने न निकल पड़ें। आपका बेड कितने साइज का है और आपको साइड में कितनी चादर छोड़नी है इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए बेडशीट सिलेक्ट करें। आमतौर पर अगर आप मार्केट से चादर लेते हैं तो पैकेट

पर ही साइज लिखा होता है, जो आपके काम को आसान कर सकता है। हालांकि, अगर आप बिना पैकेट वाली चादर लेते हैं तो नाप का ध्यान जरूर रखें।

वाइट - कलरफुल चादर

वाइट कलर की खासियत होती है कि यह शांत करने में मदद करता है। यही इफेक्ट सफेद चादर भी क्रिएट करती है। यह ज्यादा रिलैक्सिंग फीलिंग के साथ ही मूड को शांत करने में मदद करती है। वहीं कलरफुल चादर रूम में वियरफुल फील क्रिएट करती है। बात करें स्ट्राइप चादर की तो यह रूम को व्यवस्थित दिखाने में मदद करती है।

रिटर्न पॉलिसी

जी हां, इस बात को भूलकर भी इग्नोर न करें। कई बार होता है कि चादर लेने के बाद एक ही वॉश में सारे कलर उड़ जाते हैं। अच्छी कंपनीज अपने ग्राहकों को ऐसी स्थिति में चादर रिटर्न करने का भी ऑप्शन देती हैं क्योंकि यह क्वालिटी में खरे न उतरने वाली बात है। ऐसे में अगर आप ऐसी कंपनी की चादर ले लें जिसमें ऐसी रिटर्न पॉलिसी न हो तब तो आपकी चादर बस एक ही बार बिछाई जा सकेगी।

मौजूदा चैंपियन यू मुंबा की लगातार दूसरी जीत, पुणे जगुआर्स को हराया

पणजी। मौजूदा चैंपियन यू मुंबा टीटी ने अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) सीजन 7 में अपनी शानदार वापसी जारी रखी। मुंबा ने गुरुवार को पणजी के पास तलेङ्गाओ में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में महाराष्ट्र की प्रतिद्वंद्वी टीम पीबीजी पुणे जगुआर्स को 9-6 से मात देकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की और स्टैंडिंग में शीर्ष पर पहुंच गए।

शुरुआत में कड़े मुकाबले के बाद, यू मुंबा ने कप्तान मानुष शाह और अन्ना हर्सी के शानदार मिक्सड डबल्स प्रदर्शन के दम पर बढ़त बनाई। इसके बाद फ्रांस के लिलियन



बाडेंट ने रोमांचक ‘गोल्डन प्वाइंट’ फिनिश में उमर असर के खिलाफ संयम बनाए रखा और मुकाबले को पुणे की पहुंच से दूर कर दिया।

महाराष्ट्र डब्लू की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक हुई, जिसमें पुणे ने बढ़त बनाई। स्नेहित सुरावज्जुला ने इस सीजन में अपना अजेय क्रम जारी रखते हुए पहले पुरुष सिंगल्स मैच में मानुष को हराया, जबकि वे एक गेम से पीछे चल रहे थे। यू मुंबा ने हर्सी के जरिए तुरंत जवाब दिया; उन्होंने शांतचित प्रदर्शन करते हुए तीन गेम में दिया चितले को हराया और मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

मिक्सड डबल्स में बाजी पूरी तरह पलट

गई, जहां मानुष और हर्सी ने शानदार तालमेल दिखाते हुए स्नेहित और पृथिका पावडे को सीधे गेम में हरा दिया, जिससे मौजूदा चैंपियन को अहम बढ़त मिल गई। इसके बाद पुणे की उम्मीदें उमर असर पर टिकी थीं, जिन्होंने लिलियन बाडेंट के खिलाफ पहला गेम जीता, लेकिन फ्रांसीसी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया।निर्णायक मुकाबले में मैच के सबसे यादगार पल देखने को मिले। असर ने ‘अराउंड-द-नेट’ विनर (जिसे बाद में ‘शॉर्ट ऑफ द टाई’ कहा गया) से दर्शकों को हैरान कर दिया, लेकिन बाडेंट ने ‘गोल्डन

प्वाइंट’ पर संयम बनाए रखते हुए वापसी पूरी की और यू मुंबा की लगातार दूसरी जीत पक्की की।मुकाबले का नतीजा तय हो जाने के बाद, पावडे ने अनुषा कुटुंबले पर 2-1 से जीत के साथ पुणे के लिए सकारात्मक अंत सुनिश्चित किया। इस जोड़ी ने दूसरे गेम में सीजन की सबसे लंबी रैली खेली-31-शॉर्ट का आदान-प्रदान-जिसमें पावडे ने टेबल से काफी पीछे से लगातार हमलों का सामना किया और आखिरकार अनुषा ने गलती कर दी। अनुषा ने शानदार बैकहैंड विनर के साथ ‘गोल्डन प्वाइंट’ पर तीसरा गेम जीतकर वापसी की।

लॉर्ड्स वनडे के बाद खत्म हो जाएगा रोहित का करियर!



वनडे विश्व कप में चयन को लेकर मिले बड़े संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का अंतरराष्ट्रीय करियर अब अंतिम दौर में पहुंचता दिख रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला हो सकता है। भारतीय चयन समिति मौजूदा इंग्लैंड दौरे के बाद उन्हें वनडे टीम में आगे मौका देने के पक्ष में नहीं दिख रही है।

चयनकर्ताओं की नजर भविष्य पर

पीटीआई के अनुसार, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर इस समय इंग्लैंड दौरे पर टीम के साथ मौजूद हैं। सूत्रों का कहना है कि चयनकर्ता अब 2027 वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं। इसी वजह से 39 वर्षीय रोहित शर्मा को आगे की योजनाओं में शामिल किए जाने की

संभावना कम है। एक वरिष्ठ बीसीसीआई सूत्र ने कहा, ‘चयनकर्ता यशस्वी जायसवाल को लगातार मौके देना चाहते हैं। उन्होंने तीन पारियों में दो शतक लगाए हैं और टीम प्रबंधन चाहता है कि आगामी लगभग 20 वनडे मैचों में उन्हें पर्याप्त अवसर मिलें।’

सूत्र ने यह भी कहा, ‘कोई भी रोहित शर्मा से संन्यास लेने के लिए नहीं कह सकता, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ सितंबर में होने वाली घरेलू वनडे सीरीज से चयनकर्ता भविष्य की टीम तैयार करना चाहते हैं। रोहित के भविष्य पर फैसला उन्हें खुद लेना होगा।’

रोहित के हालिया प्रदर्शन पर सवाल

रोहित शर्मा का हालिया वनडे प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। पिछले आठ वनडे मैचों में उन्होंने 241 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 30.1 और स्ट्राइक रेट 88.6 रहा है, जबकि उनके बल्ले से सिर्फ एक अर्धशतक निकला है।

विराट कोहली पर भरोसा कायम

पीटीआई के अनुसार, मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर विराट कोहली को लेकर एकमत हैं। उनकी मौजूदा फॉर्म और फिटनेस को देखते हुए कोहली वनडे टीम में स्वतः चयन के दावेदार बने हुए हैं।

टेस्ट संन्यास को लेकर भी मतभेद

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के समय भी चयन समिति और उनके बीच पूरी तरह सहमति नहीं थी। चयनकर्ताओं का मानना था कि रोहित इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के केवल शुरुआती दो मैच खेलने के बाद फैसला लेना चाहते थे, जबकि रोहित के करीबी सूत्रों का दावा है कि उन्होंने पूरी पांच मैचों की सीरीज के लिए खुद को उपलब्ध बताया था।

अर्जेंटीना का विश्वकप फाइनल तक का सफर पिछले 4 मैचों में आखिरी मिनटों में पलटी बाजी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 में अर्जेंटीना ने सिर्फ मैच नहीं जीते, बल्कि कई ऐसे मुकाबले अपने नाम किए जिनमें हार लगभग तय नजर आ रही थी। लियोनल स्कालोनी की टीम ने ग्रुप चरण में तो दबदबे के साथ प्रदर्शन किया, लेकिन असली परीक्षा नॉकआउट में हुई। वहां अर्जेंटीना ने बार-बार साबित किया कि यह टीम आखिरी मिनट तक हार नहीं मानती।

अब मौजूदा विश्व चैंपियन लगातार दूसरे खिताब की तलाश में फाइनल में पहुंच चुका है, जहां उसका मुकाबला यूरोपीय चैंपियन स्पेन से होगा। दिलचस्प बात यह है कि अर्जेंटीना टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम बनकर फाइनल में पहुंची है, जबकि स्पेन ने अब तक सबसे मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन किया है। अर्जेंटीना अगर विश्वकप जीतती है तो 64 साल में लगातार दो विश्वकप जीतने वाली पहली टीम बनेगी। इससे पहले ऐसा 1934 और 1938 में इटली ने और 1958 और 1962 में ब्राजील ने किया था।

अर्जेंटीना ने अपने अभियान की शुरुआत अल्जीरिया पर 3-0 की जीत से की। यह मुकाबला लियोनल मेसी का 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच था और उन्होंने हैट्रिक लगाकर विश्वकप में मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। दूसरे मैच में ऑस्ट्रिया के खिलाफ मेसी ने शुरुआती पेनल्टी गंवाई, लेकिन उसके बाद दो शानदार गोल कर टीम को 2-0 से जीत दिलाई। इसी मुकाबले में वह विश्व कप फाइनल्स के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी भी बन गए।

जॉर्डन के खिलाफ तीसरे मुकाबले में स्कालोनी ने मेसी को बेंच पर रखा। जियोवानी लो सेल्सो और लॉटारो मार्टिनेज ने बढ़त दिलाई, जबकि मेसी ने मैदान पर उतरने के बाद शानदार फ्री-किक गोल कर 3-1 की जीत सुनिश्चित की। अर्जेंटीना ने ग्रुप-जे में तीनों मैच जीतकर नॉकआउट में प्रवेश किया।



नॉकआउट में शुरू हुई असली परीक्षा

राउंड ऑफ-32 में विश्व कप की पहली बार खेल रही कप वर्ड ने अर्जेंटीना को कड़ी चुनौती दी। मेसी और लिसांद्रो मार्टिनेज के गोल के बावजूद कप वर्ड ने दो बार बराबरी की। जहां 111वें मिनट में मेसी के कॉर्नर पर डिने बोर्गेस के आत्मघाती गोल ने अर्जेंटीना को 3-2 से जीत दिलाई। राउंड ऑफ-16 में मिस्र के खिलाफ मुकाबला और भी नाटकीय रहा। 67वें मिनट तक अर्जेंटीना 0-2 से पीछे था। इसके बाद क्रिस्टियनो रोमेरो ने पहला गोल किया और मेसी ने बराबरी दिला दी। अतिरिक्त समय में एंजो फर्नांडीज के हेडर ने 3-2 की अविश्वसनीय जीत दिलाकर टीम को क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया।

स्विट्जरलैंड-इंग्लैंड के खिलाफ दिखाई मानसिक मजबूती

क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड ने अर्जेंटीना को कड़ी टक्कर दी। एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने बढ़त दिलाई, लेकिन डैन एनडोए ने बराबरी कर दी। इसके बाद स्विट्जरलैंड के ब्रेल एम्बोलो को रेड कार्ड मिला और अतिरिक्त समय में जूलियन अल्वारेज और लॉटारो मार्टिनेज के गोल से अर्जेंटीना ने 3-1 से जीत दर्ज कर ली। सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने एंथनी गॉर्डन के गोल से बढ़त बनाई और लंबे समय तक उसे बनाए रखा। लेकिन 85वें मिनट में एंजो फर्नांडीज ने बराबरी कर दी। अर्जेंटीना ने दबाव बनाए रखा और 90+2वें मिनट में लॉटारो मार्टिनेज ने विजयी हेडर लगाकर टीम को लगातार दूसरे विश्व कप फाइनल में पहुंचा दिया।

आंकड़े बताते हैं कि अर्जेंटीना क्यों सबसे खतरनाक टीम है

अगर अर्जेंटीना के पूरे अभियान का विश्लेषण करें तो उसकी सबसे बड़ी ताकत सिर्फ मेसी नहीं, बल्कि आखिरी मिनट तक लड़ने का जज्बा रहा है। सात में से चार मुकाबलों में टीम ने 70वें मिनट के बाद या अतिरिक्त समय में निर्णायक गोल किए। नॉकआउट चरण के चारों मैचों में अर्जेंटीना को संघर्ष करना पड़ा। इनमें से तीन मुकाबलों (कप वर्ड, मिस्र और इंग्लैंड) में टीम या तो बराबरी की स्थिति में नहीं थी या हार के बेहद करीब पहुंच चुकी थी, लेकिन फिर भी जीत दर्ज की। दो मुकाबले (कप वर्ड और स्विट्जरलैंड) अतिरिक्त समय तक गए और दोनों में अर्जेंटीना विजेता बनी। मिस्र और इंग्लैंड के खिलाफ जीत पूरी तरह आखिरी 20 मिनट और इंजरी टाइम में तय हुई। यानी अर्जेंटीना की सबसे बड़ी पहचान अब सिर्फ आक्रामक फुटबॉल नहीं, बल्कि दबाव में धैर्य बनाए रखना और आखिरी सीटी तक मुकाबला जीवित रखना बन चुकी है।

अब सबसे बड़ी चुनौती स्पेन

फाइनल में अर्जेंटीना के सामने स्पेन की मजबूत दीवार होगी। जहां अर्जेंटीना टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम रही है, वहीं स्पेन ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाया है। एक ओर मेसी, लॉटारो मार्टिनेज, जूलियन अल्वारेज और एंजो फर्नांडीज जैसे मैच विनर हैं, तो दूसरी तरफ स्पेन का अनुशासित डिफेंस और प्जेसन आधारित खेल। अगर अर्जेंटीना को लगातार दूसरा विश्व कप जीतना है तो उसे एक बार फिर वही करना होगा, जो उसने पूरे टूर्नामेंट में किया है। दबाव झेलना, सही समय का इंतजार करना और आखिरी मिनटों में मैच अपने पक्ष में मोड़ देना, ये अर्जेंटीना के मजबूत पक्ष रहे हैं। यही वजह है कि स्पेन के सामने सिर्फ मेसी ही नहीं, बल्कि एक ऐसी टीम होगी जिसने पूरे विश्व कप में साबित किया है कि उसके लिए मुकाबला अंतिम सीटी बजने तक खत्म नहीं होता।

फाइनल मुकाबले के लिए मुख्य रेफरी का ऐलान, स्लोवेनिया के अधिकारी को मिली जिम्मेदारी

न्यू जर्सी, एजेंसी। फीफा ने विश्व कप 2026 के फाइनल मैच के लिए रेफरी के नाम की घोषणा कर दी है। अर्जेंटीना और स्पेन के बीच न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले जाने वाले खिताबी मुकाबले में स्लोवेनिया के अनुभवी अधिकारी स्लावको विंसिक मुख्य रेफरी की भूमिका निभाएंगे। फीफा के रेफरी प्रमुख पियरलुइगी कोलिना ने इस नियुक्ति पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि विश्व कप फाइनल जैसे बड़े मुकाबले के लिए अनुभवी और योग्य रेफरी का होना बेहद जरूरी है। विंसिक को इस महत्वपूर्ण मैच की जिम्मेदारी मिलना उनके शानदार करियर को दिखाता है।

फीफा के अनुसार, फाइनल में स्लावको विंसिक की सहायता के लिए टोमाज क्लैचनिक असिस्टेंट रेफरी-1 और एंड्रज कोवाचिक असिस्टेंट रेफरी-2 की भूमिका निभाएंगे। वहीं, अधम मखादमेह चौधे अधिकारी और मोहम्मद अल्कालाफ रिजर्व असिस्टेंट रेफरी होंगे। 46 साल के स्लावको विंसिक का यह पहला बड़ा विश्व कप फाइनल होगा। उन्होंने 2022 में कतर विश्व कप से अपने विश्व कप करियर की शुरुआत की थी, जहां उन्होंने दो मैचों में रेफरी की जिम्मेदारी संभाली थी। फीफा विश्व कप 2026 में भी वह अब तक तीन मैचों में रेफरी रह चुके हैं। फाइनल उनके विश्व कप करियर का छठा मुकाबला होगा।

विंसिक के करियर में कई बड़े मुकाबले शामिल हैं। इनमें यूईएफए 2024 चैंपियंस लीग फाइनल भी शामिल है, जिसमें रियल मैड्रिड और बोर्लुसिया डॉर्टमुंड आमने-सामने थे। इसके अलावा उन्होंने यूईएफए यूरोपीय चैंपियनशिप, विश्व कप क्वालिफायर, यूरोपा लीग, नेशंस लीग और क्लब वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों में भी रेफरी की भूमिका निभाई है।यह मुकाबला न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां 80 हजार से ज्यादा दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। लियोनल मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना ने लगातार दूसरी बार फाइनल का टिकट हासिल किया है। वहीं, स्पेन ने साल 2010 के बाद पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बनाई है। स्पेन ने साल 2010 में विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया था। ऐसे में टीम की निगाहें दूसरे खिताब पर होंगी।



डोपिंग में फंसे पाकिस्तान स्टार ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने डोपिंग नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया है। आईसीसी ने शुक्रवार को उन्हें तीन महीने के लिए निलंबित करने का फैसला सुनाया। हालांकि, यदि नवाज आईसीसी द्वारा निर्धारित नशा मुक्ति कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, तो उनकी सजा घटकर एक महीने रह जाएगी। 32 वर्षीय नवाज का डोप टेस्ट सात फरवरी को टी20 विश्व कप में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच खेले गए मैच के बाद लिया गया था। उस समय टूर्नामेंट की सह-मेजबानी भारत और श्रीलंका कर रहे थे, लेकिन आईसीसी की व्यवस्था के तहत पाकिस्तान अपने मुकाबले श्रीलंका में खेल रहा था। डोप टेस्ट में उनके शरीर में कार्बोक्सी-टीएचसी पाया गया। यह कैनाबिस (गांजा) के सेवन के बाद शरीर में बचने वाला एक निष्क्रिय मेटाबोलाइट है। इसका उपयोग खेल प्रदर्शन बढ़ाने के लिए नहीं माना जाता।

सेमीफाइनल में पहुंची पीवी सिंधू, क्वार्टर फाइनल में हिस्सा नहीं ले सकी ओकुहारा

टोक्यो, एजेंसी। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने शुक्रवार को जापान ओपन सुपर 750 के सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में सिंधू का मुकाबला नोजोमी ओकुहारा से होना था, लेकिन वह चोट के कारण मैच में हिस्सा नहीं ले सकीं। यह इस सीजन में सिंधू का तीसरा सेमीफाइनल है। इससे पहले वह मलेशिया सुपर 1000 और ऑस्ट्रेलिया सुपर 500 के सेमीफाइनल में पहुंची थीं।

सीजन का पहला खिताब जीतने पर नरजें

इसके साथ ही, 2023 डेनमार्क ओपन के बाद यह उनका पहला सुपर 750 सेमीफाइनल है। 31 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू की निगाहें इस सीजन का पहला खिताब जीतने पर होंगी। सेमीफाइनल मुकाबले में उनका सामना टोक्यो ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की विश्व की नंबर 4 चीनी खिलाड़ी चेन युफेई से होगा। सिंधू और चेन युफेई के बीच अब तक कड़ा मुकाबला देखने को मिला है। हालांकि, हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में सिंधू उनसे 6-8 से पीछे हैं।



युफेई के खिलाफ अच्छा नहीं है सिंधू का रिकॉर्ड

सिंधू को युफेई के खिलाफ पिछले पांच मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। सेमीफाइनल में जीत न केवल सिंधू के हारने के इस सिलसिले को खत्म करेगी, बल्कि लगभग तीन साल में उनके पहले सुपर 750 फाइनल में पहुंचने का रास्ता भी साफ होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट में अब भारत की एकमात्र दावेदार हैं। सिंधू ने प्री क्वार्टर फाइनल मैच में विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी हान युए को सिर्फ 35 मिनट में हराया था। उन्होंने हान को सीधे गेम में 21-16, 21-14 से मात देते हुए क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया था। इस साल 28 वर्षीय चेन युफेई ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इंडोनेशिया मास्टर्स का खिताब जीता, जबकि थाईलैंड और मलेशिया में हुए सुपर 500 टूर्नामेंट में फाइनल में भी जगह बनाई थी। इसके अलावा, युफेई ने सिंगापुर और भारत में खेले गए सुपर 750 टूर्नामेंट में भी सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। वह मलेशिया ओपन और ऑल इंग्लैंड जैसे प्रतिष्ठित सुपर 1000 टूर्नामेंट में भी अंतिम चार में पहुंची थीं।

संक्षिप्त समाचार

नर्मदा का पानी बांडी नदी में छोड़ने की उड़ी
मांग,भीनमाल के किसानों ने दी आंदोलन की चेतावनी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। बांडी नदी के बहाव क्षेत्र के करीब 120 गांवों में गहराते पेयजल एवं सिंचाई संकट के स्थायी समाधान की मांग को लेकर शुक्रवार को बांडी नदी बचाओ संघर्ष समिति के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीण भीनमाल उपखंड कार्यालय पहुंचे। किसानों ने राज्य सरकार से गुजारत की तर्ज पर ही नर्मदा नहर का पानी बांडी नदी में प्रवाहित करने, सिणधरा बांध की हाइट घटाने तथा क्षेत्र की वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग उठाई। किसानों ने भीनमाल उपखंड अधिकारी को लिखित ज्ञापन सौंपा और अपनी बात रखी। नदी बचाओ संघर्ष समिति के प्रमुख सेवादार श्रवण सिंह राठौड़ ने बताया कि वर्ष 2006 में लगभग 37 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सिणधरा बांध पिछले करीब 20 वर्षों में कई बार भर चुका है, लेकिन आज तक उसके पानी का न तो सिंचाई में उपयोग हुआ और न ही पेयजल आपूर्ति में। इसके विपरीत बांध बनने के बाद बांडी नदी का प्राकृतिक प्रवाह लगभग पूरी तरह रुक गया, जिससे डाउन स्ट्रीम क्षेत्र के करीब 120 गांवों में भूजल स्तर लगातार गिरकर 500 से 1200 फीट तक पहुंच गया है। परिणामस्वरूप क्षेत्र में पेयजल संकट गहराने के साथ खेती और पशुपालन भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं तथा हजारों युवाओं को रोजगार के लिए पलायन करना पड़ा है। राठौड़ ने ज्ञापन में कहा कि गुजरात में नर्मदा नहर के पानी से तालाबों और जलस्रोतों का पुनर्भरण (चार्ज) किया जा रहा है, जबकि सांचौर क्षेत्र में नर्मदा जल की अधिक उपलब्धता के कारण कई स्थानों पर जलभराव और दलदल की स्थिति बन गई है।

सिवाना सेवा समिति, अहमदाबाद का बोर्ड
मैंबरस गेट-टुगेदर हबॉल्लास के साथ सम्पन्न



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सिवाना सेवा समिति, अहमदाबाद द्वारा समिति के बोर्ड मेंबरस एवं उनके जीवन्मसाथियों के लिए आयोजित 'डिनर एवं हिन्दी सिनेमा 'धमाल-4' गेट-टुगेदर' का आयोजन अत्यंत उत्साह, सौहार्द एवं आत्मीय वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। समिति के उपाध्यक्ष मुकेश आर. चौपड़ा ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन चांदखेड़ा स्थित औरा बैंकवेट व मुक्ता सिनेमा में हुआ। सर्वप्रथम स्नेहपूर्ण मिलन एवं शाही भोजन औरा बैंकवेट में हुआ, जहाँ सभी सदस्यों ने आपसी संवाद, हँसी-मजाक एवं पारिवारिक माहौल का भरपूर आनंद लिया। इसके पश्चात सभी ने एक साथ मुक्ता सिनेमा हॉल में 'धमाल-4' फिल्म का आनंद लिया। पूरे आयोजन में उत्साह, अपनापन और पारिवारिक एकता का सुंदर संगम देखने को मिला। इस अवसर पर समिति के सभी बोर्ड सदस्यों एवं उनके परिवारजनों की गरिमायुगी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी ने आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्था, अनुशासन एवं आत्मीय आतिथ्य की सराहना करते हुए इसे यादगार संस्था बताया।ह समिति के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु उपस्थित सभी बोर्ड मेंबरस एवं उनके परिवारजनों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। साथ ही आयोजन समिति एवं मैनेजमेंट टीम के सभी सदस्यों का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया, जिनके समर्पण , योजना एवं अथक परिश्रम से यह आयोजन अत्यंत सफल एवं सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष दिलीप बागरेचा ने बताया कि जब परिश्रम, मित्रता और अपनापन एक साथ मुस्कुराते हैं, तभी कोई आयोजन केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवनभर की यादगार बन जाता है। कार्यक्रम दर्शान अध्यक्ष दिलीप बागरेचा, सचिव कीर्ति बागरेचा, कोषाध्यक्ष राजेश मेहता , पूर्व अध्यक्ष अशोक भट्टाली , रमेश बागरेचा , अमित बालड, उपाध्यक्ष मनीष मेहता , रणजीत कानूंगा , मुकेश चौपड़ा आदि उपस्थित थे।

फिर शुरू हुआ ट्रेड वॉर?: यूएस ने ब्राजील पर लगाया 25% टैरिफ, लूला सरकार ने जताया विरोध, कहा- ये नियम का उल्लंघन

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूटीआर) ने ब्राजील से आयातित कुछ वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की है। यह फैसला व्यापारिक प्रथाओं की एक सलाह लंबी जांच के बाद, 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत लिया गया है। राष्ट्रपति सिल्वे ने क्या कहा- राष्ट्रपति लूला दा सिल्वे के नेतृत्व वाली ब्राजील सरकार ने अमेरिकी पर पलटवार करते हुए इस कदम को द्विपक्षीय संबंधों में एक दुखद मील का पथर और बहुपक्षीय व्यापार नियमों का उल्लंघन बताया।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ग्रीर ने क्या कहा- अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने गुरुवार को कहा, 'व्यापक सार्वजनिक सुनवाई और टिप्पणियों के साथ-

साथ ब्राजील के अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत की। इसके बाद, आज अमेरिकी व्यापार विभाग 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत ब्राजील की कुछ वस्तुओं पर 25% टैरिफ लगाकर कार्रवाई कर रहा है।' अमेरिकी ने ब्राजील पर क्यों लगाया टैरिफ : यह कार्रवाई तब हुई है जब अमेरिका ने यह निष्कर्ष निकाला कि ब्राजील की कई व्यापार नीतियां अनुचित और भेदभावपूर्ण हैं, जो अमेरिकी व्यवसायों और श्रमिकों की प्रतिस्पर्धी स्थिति को काफी हद तक बाधित करती हैं।

अमेरिकी व्यापार मंत्रालय की जांच में क्या पाया गया है: अमेरिकी व्यापार मंत्रालय की जांच में यह पाया गया कि डिजिटल व्यापार और इलेक्ट्रॉनिक भुगतान



सेवाओं, अनुचित, तरजीही टैरिफ, भ्रष्टाचार विरोधी हस्तक्षेप, बौद्धिक संपदा संरक्षण, इथनॉल बाजार पहुंच और अवैध वनों की कटाई से संबंधित कुछ ब्राजील के उपाय तकदीन हैं। अमेरिकी किसानों, श्रमिकों, नवोन्मेषकों और निर्यातकों के वाणिज्य पर बाधा डालते हैं या उसे प्रतिबंधित करते हैं।

ब्राजील सरकार के साथ की बात : अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूटीआर) के एक बयान के अनुसार, कार्यालय ने दो सार्वजनिक सुनवाई आयोजित कीं, 360 से अधिक सार्वजनिक टिप्पणियां

प्राप्त कीं और अमेरिकी चिंताओं के समाधान की तलाश में ब्राजील सरकार के साथ गहन बातचीत की। ग्रीर ने कहा, 'अनुचित व्यापार प्रथाओं के खिलाफ अमेरिकी आर्थिक हितों की रक्षा करना राष्ट्रपति ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीतियों का आधार है। चाहे वह राजनीतिक भाषण पर संसरीषण लगाने से इनकार करने पर अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों को दंडित करना हो, भ्रष्टाचार की प्रवर्तन में डिलीवर्ड बरतना हो, या ब्राजील के किसानों को अमेरिकी किसानों पर लाभ प्राप्त करने के लिए अवैध रूप से काटी गई भूमि का दोहन करने की अनुमति देना हो, ब्राजील की अनुचित व्यापार प्रथाओं ने अमेरिकी श्रमिकों और उत्पादकों को 21 करोड़ से

अधिक उपभोक्ताओं वाले इस महत्वपूर्ण बाजार तक पहुंचने से रोक दिया है। विदेश मंत्री रूबियो ने क्या कहा-अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रूबियो ने कहा कि आज राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय को अधिकांश ब्राजीलियाई आयात पर 25% टैरिफ लगाने का निर्देश दिया है। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि ऐसा क्यों किया गया? राष्ट्रपति लूला और उनकी सरकार ने अमेरिका के साथ सद्भावना से बातचीत नहीं की है।' राष्ट्रपति कार्यालय के सामाजिक संचार सचिवालय द्वारा जारी एक कड़े बयान में, ब्राजील ने व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 301 को लागू करने के अमेरिकी व्यापार मंत्रालय के निर्णय को अस्वीकार कर दिया।

अधिक उपभोक्ताओं वाले इस महत्वपूर्ण बाजार तक पहुंचने से रोक दिया है। विदेश मंत्री रूबियो ने क्या कहा-अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रूबियो ने कहा कि आज राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय को अधिकांश ब्राजीलियाई आयात पर 25% टैरिफ लगाने का निर्देश दिया है। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि ऐसा क्यों किया गया? राष्ट्रपति लूला और उनकी सरकार ने अमेरिका के साथ सद्भावना से बातचीत नहीं की है।' राष्ट्रपति कार्यालय के सामाजिक संचार सचिवालय द्वारा जारी एक कड़े बयान में, ब्राजील ने व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 301 को लागू करने के अमेरिकी व्यापार मंत्रालय के निर्णय को अस्वीकार कर दिया।

अमेरिकी सेना ने ईरानी ठिकानों पर 90 मिनट तक जारी रखा हमला



(आईआरजीसी) ने बुधवार को कहा कि उसने बहरीन और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किए, जिसमें उनके सैन्य इफ्रास्ट्रक्चर, एयरक्राफ्ट शेल्टर, खास कमांड सेंटर और रणनीतिक ड्रोन पर हमला किया गया।

आईआरजीसी ने कहा कि उसकी एयरोस्पेस फोर्स ने ईरान के खिलाफ अमेरिका के नए हमले के जवाब में जॉर्डन के अल-अजराक में अमेरिकी सैन्य बेस को निशाना बनाया। ईरान की आधिकारिक इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) ने बताया कि हमले में वे शेल्टर तबाह हो गए जिन्हें यूएस एफ-15, एफ-16 और एफ-35 फाइटर जेट और बेस पर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूध सोशल पर लिखा, 'ईरान ने एक अमेरिकी नागरिक को देश छोड़ने की इजाजत दे दी है, जिसे दिसंबर 2024 में जो बाइडेन के कार्यकाल में गलत तरीके से हिरासत में लिया गया था। वह अब सुरक्षित रूप से ईरान से बाहर है और अच्छी हालत में है। संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के इस अच्छे मंशा से किए गए काम की सराहना करता है। आईआरजीसी ने कहा कि उसकी नौसेना ने बहरीन में अमेरिका के पांचवें फ्लीट की सुविधाओं पर हमला किया, जिसमें एनएसआई मैनेजमेंट सेंटर, मिलिट्री पोर्ट्स और उपकरण रखने वाले बड़े वेयरहाउस, कमांड और कंट्रोल सेंटर और फ्लूट स्टोरेज सुविधाओं को टारगेट किया गया। आईआरएनए की रिपोर्ट के अनुसार, ये हमले अमेरिका के हिंद महासागर में अपनी नौसैनिक बलों को तैनात करने और होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण करने के बलबने समुद्री रास्तों को ब्लॉक करने के जवाब में किए गए। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में फिर से अपने नौसेना की नाकाबंदी शुरू कर दी। इसके बाद अमेरिकी नौसेना ने मंगलवार को ईरान के खिलाफ कई हमले किए। अमेरिकी सेना ने मंगलवार देर रात कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट और ईरानी तटीय इलाकों के पास मिसाइल और ड्रोन साइट्स, नौसेना की क्षमताओं और कोस्टल डिफेंस सिस्टम्स समेत दर्जनों मिलिट्री टारगेट्स पर सात घंटे तक हमला किया।

हांगकांग में 5 बुकसेलर्स गिरफ्तार: सरकार विरोधी 'देशद्रोही' किताबें बेचने का आरोप



हांगकांग , एजेंसी। हांगकांग में सरकार विरोधी 'देशद्रोही' सामग्री वाली किताबें बेचने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा पुलिस ने पांच बुकसेलर्स को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा पुलिस ने दो बुकस्टोर्स पर छापेमारी कर बड़ी संख्या में किताबें जब्त की हैं। अधिकारियों का दावा है कि इन पुस्तकों में हांगकांग सरकार, न्यायपालिका और कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के खिलाफ नफरत भड़काने वाली सामग्री थी। सरकार के मुताबिक, कस्टम विभाग ने विदेश से आई कथित देशद्रोही किताबों की एक खेप पकड़ी थी। इसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा पुलिस

ने जांच शुरू की और दो बुकस्टोर्स में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान 37 और 57 साल के दो पुरुष तथा 30 से 59 साल की तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि दुकानों में ऐसी किताबें प्रदर्शित और बेची जा रही थीं, जिनका उद्देश्य सरकार और सरकारी संस्थानों के खिलाफ लोगों को उकसाना था। तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में कथित देशद्रोही सामग्री वाली किताबें भी जब्त की गईं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, कार्रवाई 'हैव अ नाइस स्टे' और 'ग्रीनफील्ड बुकस्टोर' में हुई।

तड़पकर नहीं, गरिमा से विदा होंगे मरीज: फ्रांस में इच्छामृत्यु को हरी झंडी, नए कानून में क्या है खास?

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में वर्षों से जारी लंबी नैतिक और कानूनी बहस के बाद आखिरकार इतिहास रच दिया गया है। फ्रांस की संसद के निचले सदन 'नेशनल असेंबली' ने इच्छामृत्यु (असिस्टेड डाइंग) से जुड़े एक ऐतिहासिक बिल को अंतिम मंजूरी दे दी है। इस कानून के तहत अब असाध्य बीमारियों से जूझ रहे वयस्क मरीजों को खुद अपनी मर्जी से मौत चुनने के लिए घातक दवाएं लेने की अनुमति होगी। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की ओर से तीन साल पहले घोषित किए गए इस कानून पर संसद में 241 के मुकाबले 291 वोटों से मुहर लगी।

क्या मरीजों को दर्द से मुक्ति दिलाएगा यह नया कानून : फ्रांस

सबसे बड़ी बातें इच्छामृत्यु के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति को उम्र कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए। उसका फ्रांस का नागरिक या कानूनी निवासी होना अनिवार्य है। मरीज को ऐसी गंभीर और लाइलाज बीमारी होनी चाहिए जो जिनलेवा हो और वह असहनीय दर्द से गुजर रहा हो। अल्जाइमर जैसे न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों से पीड़ित लोग इसके पात्र नहीं होंगे। आवेदन की शुरुआत मरीज को खुद करनी होगी। मॉडकल टीम 15 दिनों के भीतर इसकी समीक्षा करेगी और मरीज को सोचने के लिए कम से कम 2 दिन का समय दिया जाएगा। क्या सांविधानिक चुनौतियों को पार कर पाएगा यह कानून? इस कानून को लेकर फ्रांस में विरोध के स्वर भी तेज हैं।

रहिवादी बहुमत वाले ऊपरी सदन (सीनेट) ने इस बिल को खारिज कर दिया था, लेकिन फ्रांस की विधायी व्यवस्था के अनुसार निचले सदन का फैसला अंतिम माना जाता है। अब सीनेट के अध्यक्ष जेराड लार्चर और प्रधानमंत्री सेबेस्तियन लेक्रु ने इस बिल को 'सांविधानिक परिषद' के पास भेजने की घोषणा की है। यह परिषद एक महीने के भीतर यह जांच करेगी कि कानून संविधान के अनुरूप है या नहीं। इसके बाद ही यह देश में प्रभावी रूप से लागू होगा। विरोधी संगठन 'अलायंस वीटा' का तर्क है कि मौत को समाधान के रूप में पेश करना मानवीय गरिमा के खिलाफ है और इससे बुजुर्गों व लैकर फ्रांस में विरोध के स्वर भी तेज हैं।

अमेरिका में भारतीय मूल के शख्स पर हमला



यूटा , एजेंसी। अमेरिका के वैली फेंजर मॉल में दोपहर में हुए एक क्रूर हमले में भारतीय मूल के एक मुस्लिम कर्मचारी को चाकू के कई घावों के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में जारी किए गए अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, संदिग्ध ने पुलिस के सामने साफ रूप से कबूल किया है कि वह पीड़ित की हत्या उसके इस्लामी धर्म के कारण करने का प्रयास कर रहा था।

क्या है पूरा मामला : संदिग्ध की पहचान 48 वर्षीय पीटर माइकल लार्सन के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने सोमवार शाम को एक मॉल के स्टॉल पर पीड़ित सैयद सोहेल उद्दीन से संपर्क किया। हमला करने से पहले, लार्सन ने कर्मचारी से उसकी पहचान के बारे में पूछताछ की। लड़वाई कैसे शुरू हुई : लूना नुनेज, जो बाद में अस्पताल में पीड़ित से मिलने गई थीं। उनके अनुसार, बातचीत तनावपूर्ण सवालों से शुरू हुई। लार्सन ने कर्मचारी से पूछा, 'वह कहां से है, उसका नाम क्या है और क्या वह मुसलमान है।' झगड़े के तुरंत बाद, लार्सन ने चाकू निकाला और उस व्यक्ति पर बार-बार बार करने

लगातार इस शायी का विरोध करती रही। इस विरोध का अंजाम उसकी मौत थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, समन के परिवार ने उसकी शायी पाकिस्तान में उसके चचेरे भाई के साथ तय की थी। इस दौरान समन नाबालिग थीं और उन्होंने शायी से इनकार करने के बाद इटली में सोशल सर्विस डिपार्टमेंट से मदद मांगी। नवंबर 2020 में उन्हें एक शेल्टर होम भेज दिया गया था। उन्होंने अपने माता-पिता के खिलाफ पुलिस के नियंत्रण में भी दर्ज कराई थीं, लेकिन 11 अप्रैल 2021 को वह दोबारा अपने परिवार के पास लौट आईं। साइप्रस मेल की रिपोर्ट के अनुसार, समन अप्रैल 2021 से लापता थीं। पुलिस ने घर के पास वाले सीसीटीवी फुटेज को खंगाला, जिसमें पांच लोग घर से फावड़े, लोहे की रॉड और एक बाल्टी लेकर जाते हुए दिखाई दिए और करीब षाई घंटे बाद वे वापस लौटे।

अमेरिका में भारतीय मूल के शख्स पर हमला

लगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हिंसा तभी रुकी जब मॉल में मौजूद शास्त्री लोगों ने मौके पर पहुंचकर लार्सन को चाकू के कई घावों के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में जारी किए गए अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, संदिग्ध ने पुलिस के सामने साफ रूप से कबूल किया है कि वह पीड़ित की हत्या उसके इस्लामी धर्म के कारण करने का प्रयास कर रहा था।

लोगों को ऑनलाइन नफरत भरे संदेश मिल रहे हैं : न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हमले के बाद मोहम्मद ने अपनी सुरक्षा की भावना पर पड़े गहरे भावनात्मक आघात को व्यक्त किया। खासकर हमले के बाद के हालात देखने और ऑनलाइन नफरत भरे संदेशों का सामना करने के बाद। मोहम्मद ने बताया, 'मैं एक पिता हूं, और मुझे अपने बच्चों के लिए यहां सुरक्षित महसूस नहीं हो रहा है।